संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-191 ◆ रायपुर, शुक्रवार 13 दिसंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

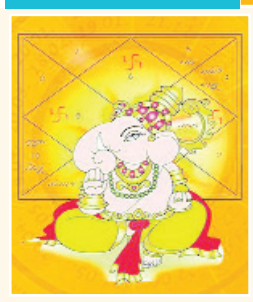

तिथि : त्रयोदशी
नक्षत्र : भरणी
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : शुक्ल
वार : शुक्रवार
योग : शिव
सूर्योदय : 07:08
सूर्यास्त : 17:21
चंद्रमा : मेष
राहुकाल :10:58- 12:14
विक्रमी संवत् : 2081
शक संवत : 1946
मास : मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:54 - 12:35

शीतलहर; 7 राज्यों में कोल्ड वेव का अलर्ट

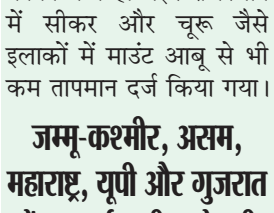

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्द हवाओं और बर्फबारी ने देश के कई हिस्सों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया है। दिल्ली से राजस्थान तक कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जबकि तमिलनाडु में बारिश का सिलसिला जारी है। हिमालय और जम्मू-कश्मीर की बर्फबारी ने मैदानी इलाकों को सर्द हवाओं की चपेट में ला दिया है। मौसम विभाग ने सात राज्यों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में ठंड का असर तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 6°C दर्ज किया गया। सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। राजस्थान में सीकर और चूरू जैसे इलाकों में माउंट आबू से भी कम तापमान दर्ज किया गया।

जम्मू-कश्मीर, असम, महाराष्ट्र, यूपी और गुजरात में एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जम्मू-कश्मीर, असम, महाराष्ट्र, यूपी और गुजरात में 19 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। छापेमारी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोगों के खिलाफ की जा रही है। आरोप है कि इससे जुड़े लोग आम आदमी को गुमराह कर कट्टरपंथी बना रहे थे और आतंकवादी दुष्प्रचार के प्रसार को बढ़ावा दे रहे थे। एनआईए रियासी, बडगाम, अनंतनाग समेत कई स्थानों पर भी छापेमारी कर रही है।

जनता में विश्वास कायम करना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि : विष्णु देव साय

प्रदेश की जीडीपी को वर्ष 2028 तक दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में विश्वास को कायम करने की थी। अब अपनी सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने जनता के विश्वास को कायम रखा है। श्री साय आज सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रतिनिधियों को स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 13 दिसम्बर को हमारी सरकार का पहला साल पूरा हो रहा है। विगत एक वर्ष में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने विकास के अनेक नये आयाम स्थापित किए हैं। हमने बीते एक साल को विश्वास का वर्ष घोषित किया है। वास्तव में प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्ष का समय विश्वास के संकट का समय था।

पूर्ववर्ती सरकार ने 'जन घोषणा पत्र' में किए गए लगभग सभी वादों से मुकरते हुए न केवल प्रदेश के लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए ही भरोसे का संकट पैदा कर दिया था।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी चुनौती जनता में इस विश्वास को कायम करने की थी। अब एक वर्ष पूरे होने पर जब आपके माध्यम से जनता के समक्ष हमारी पूरी सरकार रिपोर्ट कार्ड लेकर प्रस्तुत हुई है, तो मुझे यह बताते हुए संतोष हो रहा है कि 'मोदी की गारंटी' के रूप में किए सभी बड़े वादों को पूरा कर हमने इस विश्वास की बहाली की है। हमें प्रदेश की महतारी-बहनों को, किसानों को, युवाओं को, आवास से वंचित कर दिए गए कमजोर वर्ग के लोगों से किए वादे को पूरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान हमारी सरकार ने प्रदेश के नागरिकों से वादा किया था कि यदि हमारी सरकार बनी तो हम प्रदेश में सुशासन की स्थापना करेंगे। भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करेंगे। सरकार बनते ही हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्परता के साथ कार्यवाही की। जो लोग भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए जा रहे हैं, उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हमारा सारा ध्यान जनता के विश्वास को बहाल करने पर था। अब इसी विश्वास की नींव पर छत्तीसगढ़ के विकास और समृद्धि रूपी शिखर का निर्माण करना है। हम छत्तीसगढ़ को विकसित बना कर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में योगदान देने परिश्रम की पराकाष्ठा कर दिन-रात जुटे रहेंगे। आगामी 1 नवंबर 2025 को हम प्रदेश स्थापना की रजत जयंती मनाएंगे। हमने वर्ष 2028 तक प्रदेश की जीडीपी को दस लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

किसानों, गरीबों और महिलाओं से वादा पूरा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने किसानों से किया गया वादा पूरा करते हुए 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की रिकॉर्ड खरीदी की। हमने अपने वादे के मुताबिक किसान बंधुओं को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए का अंतरण भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताओं-बहनों से किए गए वादे को पूरा करते हुए तीन माह के भीतर ही महतारी वंदन योजना शुरू की गई। इसका लाभ 70 लाख माताओं-बहनों को मिल रहा है। अब तक इस योजना की 10 किश्तों में 6530 करोड़ रुपए अंतरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 4 हजार रुपए मानक बोरा से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए मानक बोरा कर दी गई है।

पीएससी पर लौटा युवाओं का विश्वास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में नई शिक्षा नीति लागू करके शिक्षा को रोजगार परक बनाया है। राज्य की प्रतिभाओं को निखारने के लिए रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश की 13 नगरीय निकायों में हाईटेक लाइब्रेरियों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अपने वादे के मुताबिक हमने सीजीपीएससी परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाया है। पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं हुई और उनके परिणाम घोषित हुए। इससे राज्य की प्रतिभाओं का विश्वास सीजी पीएससी पर लौट आया है। हमने प्रदेश के 68 लाख गरीब परिवारों को पांच साल तक मुफ्त राशन देने की योजना शुरू की।इस तरह हमने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है।

सुशासन की स्थापना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार सुशासन की स्थापना के लिए प्रयासरत है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमने सुशासन एवं अभिसरण नाम से नया विभाग बनाया है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिकों को छोटे छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े। इसके लिए हम तकनीक का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। एक क्लिक में अथवा एक फोन कॉल में उनके काम हो जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपने को हम लगातार साकार कर रहे हैं। पुराणों में जिसे राम-राज कहा गया है, उसे ही हम सुशासन कहते हैं।

जनजातीय क्षेत्रों में नई सुविधाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, रेल और हवाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है। अम्बिकापुर के हवाई अड्डे से भी अब हवाई सेवा की शुरूआत हो गई है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए गठित प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और मजबूत किया गया है। साथ ही छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद का गठन भी किया गया है।

बैगा, गुनिया, सिरहा के लिए सम्मान निधि

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हमने राज्य के बैगा, गुनिया, सिरहा को सालाना पांच-पांच हजार रुपए की सम्मान निधि देने की घोषणा की है।जनजातीय गांवों में अखरा निर्माण विकास योजना शुरू की गई है। जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा नायकों की स्थान-स्थान पर प्रतिमाएं लगाने का निर्णय भी हमने लिया है।

बस्तर में पर्यटन सुविधाओं का विकास

बस्तर में पर्यटन कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। यह बड़ी उपलब्धि है कि कांगेर घाटी के गांव धुड़मारास ने अब विश्व पर्यटन के नक्शे पर जगह बना ली है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने इस गांव में पर्यटन के विकास के लिए इसे दुनिया के चुनिंदा 20 गांवों में शामिल किया है।

गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के गठन से भी राज्य में पर्यटन के विकास की संभावनाओं को बल मिला है। सरगुजा में मधेश्वर पहाड़ को विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में मान्यता मिली है।

श्री रामलला दर्शन योजना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के साथ भगवान राम का गहरा नाता है। वे हमारे भांजे हैं। उन्होंने वनवास के 14 सालों में से 10 साल यहीं गुजारे। हमारी कोशिश है कि दुनिया भगवान श्रीराम से हमारे इस रिश्ते को जानें। प्रदेश में श्री रामलला दर्शन योजना शुरू करके हमने यहां के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की नि:शुल्क यात्रा की व्यवस्था की, ताकि भगवान राम से अपने रिश्ते को और सघन कर सकें।

एक राष्ट्र एक चुनाव : मोदी कैबिनेट ने पास किया विधेयक, सदन में होगा पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है। इससे पहले 'एक देश, एक चुनाव' पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं।

दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा।

जब तक हम सुनवाई कर रहे हैं, नए मामले दर्ज नहीं होंगे : सुप्रीम कोर्ट

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार नोटिस जारी किया है। 12 दिसंबर से प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट- 1991 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की स्पेशल बेंच ने सुनवाई करते हुए कहा कि हम एक बात स्पष्ट करना चाहते हैं कि अगली सुनवाई तक कोई नई याचिका दायर नहीं हो सकती। अदालत ने सभी पक्षकारों से कहा कि वे अपने तर्क पूरी तरह तैयार रखें ताकि मामले को तेजी से निपटाया जा सके। याचिका सीपीआई-एम, इंडियन मुस्लिम लीग, एनसीपी शरद पवार, राजद एमपी

मनोज कुमार झा समेत 6 पार्टियों ने लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से लंबित याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा। इसके अलावा सीजेआई ने पूछा कि मथुरा और ज्ञानवापी समेत कितने मुकदमे हैं? सीजेआई ने कहा, 4 सप्ताह में केंद्र जवाब दाखिल करे. सभी पक्ष अगले 4 सप्ताह में उस पर जवाब दाखिल करें।

सीजेआई ने कहा कि मामला सब ज्यूडीश है. जब तक हम मामले की सुनवाई और निस्तारण नहीं कर देते, तब तक कोई और मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता। हमारे पास राम जन्मभूमि केस भी है. सीजेआई ने कहा जो भी मामले दर्ज हैं, वो चलते रहेंगे। वरिष्ठ वकील राजू रामचंद्रन ने कहा कि लेकिन जो भी मामले चल रहे है। फिलहाल कार्यवाही पर रोक लगाने की जरूरत है। सर्वेक्षण के आदेश दिए जा रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि ऐसे कितने मुकदमे लंबित हैं? दो शॉर्ट्स के बारे में मुझे पता है, एक मथुरा और एसजी ने कहा कि क्या कोई अजनबी, जो मामले में पक्षकार नहीं है, आकर कह सकता है कि सभी कार्यवाही रोक दी जाए. वही वह सवाल है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा आज छत्तीसगढ़ में

साय सरकार के एक साल के कार्यकाल का पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा 13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगे. अपने पांच घंटे के प्रवास के दौरान भाजपा अध्यक्ष साय सरकार के एक साल के कार्यकाल की रिपोर्ट कार्ड देने के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे. जारी मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दोपहर 3 बजे विशेष विमान से रायपुर पहुंचेंगे. दोपहर 3:30 बजे साइंस कॉलेज मैदान में आम सभा को करते हुए साय सरकार के एक साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे. शाम 5 बीजेपी मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी की बैठक में शामिल होंगे. वहीं शाम 6.30 को स्वर्गीय गोपाल व्यास के परिवार से मुलाकात करेंगे. इन सबके बाद रात 8 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे.

व्यवहार न्यायाधीश परीक्षा-2023 के परिणाम घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित व्यवहार न्यायाधीश (प्रवेश स्तर) परीक्षा-2023 के लिए कुल 49 पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। उक्त परीक्षा का अंतिम चयन सूची आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। गौरतलब है कि व्यवहार न्यायाधीश परीक्षा-2023 के मुख्य परीक्षा का परिणाम 25 अगस्त 2024 को जारी किया गया था, जिसमें विज्ञापित पदों का तीन गुना यानी 147 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चिन्हांकित किया जाना था। परंतु वर्गवार, उपवर्गवार अर्ह अभ्यर्थियों की उपलब्धता के अनुसार 151 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया। उक्त पदो के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया 02 दिसंबर 2024 से 11 दिसंबर 2024 के बीच आयोजित की गई।

सुशासन का एक वर्ष

सहज, सरल लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायजी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर हार्दिक बधाई...

- मुकेश जैन
कुनकुरी (जशपुर)

'कुली' की शूटिंग के लिए जयपुर पहुंचे आमिर खान-उपेंद्र

11 दिसंबर को आमिर खान कथित तौर पर टीम में शामिल हो गए। कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र और एक प्रशंसक के साथ उनका एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल रहा है।

मुंबई : आमिर खान और उपेंद्र जयपुर में क्वालिटी टाइम बिताते देखे गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों रजनीकांत की कुली का हिस्सा हैं, जिसकी शूटिंग जयपुर में तेजी से चल रही है। कुली की शूटिंग स्पॉट से तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। कथित तौर पर आमिर खान कुली में एक कैमियो रोल निभाएंगे, जिसका निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं।

उपेंद्र-आमिर का वायरल वीडियो

11 दिसंबर को आमिर खान कथित तौर पर टीम में शामिल हो गए। कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र और एक प्रशंसक के साथ उनका एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल रहा है। आमिर खान के कैमियो के बारे में आधिकारिक घोषणा अभी भी बाकी है। एक और वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिसमें दर्शकों को जयपुर में कुली की शूटिंग स्थल की झलक देखने को मिली है।

उपेंद्र ने आमिर का जताया आभार

आमिर खान ने कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र की आगामी फिल्म 'यूआई-द मूवी' को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जो 20 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। उपेंद्र ने वीडियो साझा किया और लिखा, 'प्रिय आमिर सर, यूआई द वार्नर मूवी के लिए आपसे मिलना और आपका आशीर्वाद लेना एक सपना सच होने जैसा था। आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।'

फिल्म का शूटिंग शेड्यूल

खास बात यह है कि आज 12 दिसंबर को सुपरस्टार रजनीकांत का जन्मदिन भी है और इस खास मौके पर 'कुली' से जुड़ी दिलचस्प जानकारी सामने आने की उम्मीद है। वहीं, अब आमिर और उपेंद्र अभिनेता रजनीकांत के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कास्ट और क्रू 10 दिनों के शेड्यूल के लिए जयपुर में रहेंगे। इसके बाद टीम आगामी शेड्यूल के लिए अन्य स्थानों पर जाएगी। ऐसा कहा जा रहा है कि टीम दुबई में भी कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों की शूटिंग करेगी।

फिल्म के कलाकार

लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित कुली में रजनीकांत, नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, श्रुति हासन, सत्यराज, रेबा मोनिका जॉन और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित, कुली को 2025 में एक भव्य रिलीज के लिए तैयार किया गया है। संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर, संपादक फिलोमिन राज और छायाकार गिरीश गंगाधरन तकनीकी टीम का हिस्सा हैं।

'पुष्पा 2' को लेकर की गई जेसीबी वाली टिप्पणी पर सिद्धार्थ का यू-टर्न, ट्रोलिंग के बाद पेश की सफाई

अपनी फिल्म 'मिस यू' के लिए आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 पर अपनी टिप्पणियों और अल्लू अर्जुन के साथ किसी भी तरह की समस्या के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया।

मुंबई : 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही पुष्पा 2: द रूल ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। फिल्म की भारी सफलता के बीच सिद्धार्थ को अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म के पटना इवेंट में एकत्रित भीड़ का मजाक उड़ाने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। हालांकि, अब उन्होंने विवाद के बारे में बात की और एक स्पष्टीकरण जारी किया है।

सिद्धार्थ ने ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी

चेन्नई में अपनी फिल्म 'मिस यू' के लिए आयोजित एक प्रेस मीट के दौरान सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 पर अपनी टिप्पणियों और अल्लू अर्जुन के साथ किसी भी तरह की समस्या के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अभिनेता ने स्पष्टीकरण की आवश्यकता को खारिज कर दिया और फिल्म की टीम को इसकी सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने पहले भाग की भारी लोकप्रियता को स्वीकार किया और कहा कि दर्शकों का सीक्वल के लिए सिनेमाघरों में आना स्वाभाविक था।

अपनी टिप्पणी पर क्या बोले सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने फिल्मों का समर्थन करने वाली बड़ी भीड़ के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक सिनेमाघरों में आना जारी रखेंगे और सिनेमा के फलने-फूलने की जरूरत के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि किसी फिल्म का हिट होना कितना दुर्लभ है और कहा कि निर्माता और कलाकार अपनी कड़ी मेहनत का फायदा उठाने के हकदार हैं।

सिद्धार्थ ने पेश की सफाई

उन्होंने कहा, मुझे 'समस्या' शब्द से ही दिक्कत है और मुझे नहीं लगता कि मुझे इस पर स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। सफलता के लिए पुष्पा 2 की टीम को बधाई। जितनी अधिक भीड़ जुटेगी, उतना अच्छा होगा। आशा है कि भीड़ सिनेमाघरों में भी आएगी। सिनेमा को स्वस्थ होना चाहिए। इससे पहले 'पुष्पा 2' पर की गई अपनी टिप्पणी पर सिद्धार्थ को काफी ट्रोल भी किया गया था।

क्या था सिद्धार्थ का बयान

इससे पहले सिद्धार्थ ने पुष्पा 2 कार्यक्रम के लिए पटना में उमड़ी भारी भीड़ पर अपने विचार साझा किए । उन्होंने कथित तौर पर इसे एक प्रचार रणनीति बताया और कहा कि भारत में बड़ी भीड़ एक आम बात है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी भीड़ हमेशा गुणवत्ता को नहीं दर्शाती। अभिनेता ने कथित तौर पर इस आयोजन की तुलना जेसीबी से खुदाई करने वाली जगह से की और दावा किया कि आयोजन करने से स्वाभाविक रूप से लोग आते हैं और उन्होंने बिहार में लोगों के एकत्र होने को सामान्य बताया।

कीर्ति सुरेश-एंथनी की शादी में शामिल हुए दलपति विजय

कीर्ति सुरेश अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एंटनी थाटिल के साथ गोवा में शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। हाल ही में दलपति वियज की शादी में शामिल होने की एक तस्वीर सामने आई है, जिसे देखकर प्रशंसक बेहद खुश हो रहे हैं और तस्वीर पर अपनी प्रतिक्रिया लगातार शेयर कर रहे हैं।

मुंबई : इस महीने की शुरुआत में कीर्ति और एंटनी के नाम वाला एक शादी का निमंत्रण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। 12 दिसंबर को कीर्ति ने एंटनी संग शादी कर ली है, जिसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर जंकर वायरल हो रही हैं। इसी बीच एक और तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें साउथ अभिनेता दलपति विजय, कीर्ति-एंथनी के शादी में नजर आ रहे हैं।

प्रशंसकों की राय

एक फैन ने अपने एक्स हैंडल पर फोटो शेयर की है। इस तस्वीर में विजय मेहमानों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। विजय ने इस दौरान साउथ स्टाइल ड्रेस में ही एक शर्ट और मैचिंग लूंगी पहनी हुई है। बुधवार को कीर्ति ने अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की। फोटो में वह ड्रेसिंग टेबल पर बैठी नजर आ रही थीं, जो शादी से पहले की रस्म के लिए तैयार हो रही थी। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, "यहां हम चलते हैं!! और पागलपन शुरू होता है।"

जनवरी में बजेगा साउथ-बॉलीवुड की फिल्मों का डंका, कंगना रनौत-राम चरण की फिल्म भी शामिल

अगले साल जनवरी में कई धमाकेदार बॉलीवुड और साथ ही साउथ की धमाकेदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस लिस्ट में कंगना रनौत से लेकर राम चरण तक की फिल्में शामिल हैं। आइए जानते हैं जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली फिल्मों की पूरी लिस्ट।

मुंबई : इस लिस्ट में बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्में शामिल हैं। जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली इन फिल्मों में राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर, अजय देवगन और राशा की फिल्म आजाद, कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी और सोनू सूद और जैकलीन की फतेह शामिल हैं।

गेम चेंजर

पैन इंडिया स्टार राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर की रिलीज का दर्शकों काफी लंबे समय से इंतजार है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों ने प्रशंसकों के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। फिल्म के शानदार गाने और धमाकेदार ट्रेलर पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। गेम चेंजर में राम चरण एक आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में राम चरण के अलावा कियारा आडवाणी, अंजलि, समुथिरकानी, एसजे सूर्या, श्रीकांत, प्रकाश राज और सुनील भी नजर आएंगे। गेम चेंजर सभी दक्षिण भारतीय भाषाओं और हिंदी में रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

आजाद

निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद में अजय देवगन के अलावा राशा थडानी और अमन देवगन ने मुख्य अभिनय निभाया है। फिल्म आजाद 17 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपना डेब्यू कर रही हैं। आजाद का टीजर रिलीज हो चुका है, जो दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। इस फिल्म का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर कर रहे हैं। फिल्म में अजय, राशा और अमन के अलावा इसमें डायना पेंटी, पीयूष मिश्रा और मोहित मलिक जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

फतेह

फतेह एक आगामी बॉलीवुड एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन खुद सोनू सूद कर रहे हैं। फिल्म में सोनी के अलावा जैकलीन नजर आएंगी। यह पहली फिल्म है, जिसका निर्देशन सोनू ने किया है। सोनू और जैकलीन के अलावा फिल्म में शिव ज्योति राजपूत और नसीरुद्दीन शाह भी नजर आएंगे। इस फिल्म का टीजर 16 मार्च को रिलीज हुआ था। फिल्म फतेह 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

इमरजेंसी

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज होगी। इस फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनय करने के अलावा कंगना फिल्म की निर्माता-निर्देशक भी हैं। इस फिल्म में कंगना के अलावा अनुपर खेर, महिमा चौधरी, श्रेयस तलपदे जैसे सितारे नजर आएंगे।

'हाउसफुल 5' के सेट पर हादसे का शिकार हुए अक्षय कुमार, अभिनेता की आंख में लगी चोट!

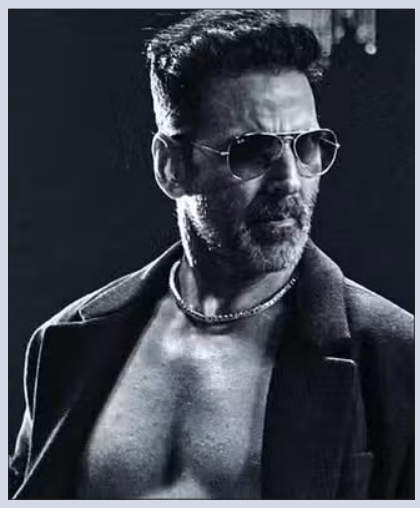

फिल्म 'हाउसफुल 5' के सेट पर स्टंट करते समय अक्षय कुमार की आंख में चोट लग गई है। अब उनके स्वास्थ्य पर अपडेट सामने आया है।

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इस समय मुंबई में हाउसफुल 5 की शूटिंग कर रहे हैं। अभिनेता फिल्म के लिए स्टंट करते समय एक दुर्घटना का शिकार हो गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, दुर्घटना में अभिनेता की आंख में चोट लगी है। इसके साथ ही अब अभिनेता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी भी सामने आई है। हालांकि, कहा जा रहा है कि अब अभिनेता ठीक हैं।

कैसे हुआ हादसा

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाउसफुल सेट पर शूटिंग के दौरान स्टंट करते समय अक्षय की आंख में कोई चीज उड़कर आ गई। सेट पर तुरंत एक नेत्र रोग विशेषज्ञ को बुलाया गया, जिसने आंख पर पट्टी बांधी और उन्हें कुछ समय आराम करने को कहा, जबकि अन्य अभिनेताओं के साथ शूटिंग फिर से शुरू हो गई। हालांकि, चोट के बावजूद, अक्षय जल्द ही शूटिंग में शामिल होने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि फिल्म की शूटिंग अंतिम चरण में है और वह नहीं चाहते कि इसमें देरी हो।'

हाउसफुल 5 के कलाकार

हाउसफुल 5 में फ्रेंचाइजी के अक्षय और रितेश देशमुख के साथ-साथ अभिषेक बच्चन, श्रेयस तलपदे, चंकी पांडे, जैकलीन फर्नांडीज और नरगिस फाखरी की वापसी के साथ कई कलाकार शामिल हैं। कलाकारों में फरदीन खान, डिनो मोरिया, जॉनी लीवर, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, नाना पाटेकर, सोनम बाजवा, चित्रांगदा सिंह और सौंदर्या शर्मा शामिल हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म

इस साल की शुरुआत में यूरोप में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी। कलाकारों ने 40 दिनों तक क्रूज शिप पर फिल्म की शूटिंग की, जिसमें न्यूकैसल से स्पेन, नॉरमैंडी, होनफ्लूर और वापस प्लायमाउथ तक का सफर शामिल था। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून, 2025 को रिलीज होने वाली है।

पहली बार बना रही हैं मूली का अचार तो इन बातों का रखें ध्यान

मूली का अचार बनाते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है, क्योंकि छोटी-छोटी गलतियां स्वाद और अचार की गुणवत्ता को खराब कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल : गर्मी के मौसम में लौकी, तोरई खा-खाकर अगर आप बोर हो गए हैं तो अब आपको घबराने की जरूरत नहीं है। सर्दी का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में बाजार में काफी रंग-बिरंगी सब्जियां मिलती हैं। सब्जियां मिलने के साथ-साथ इस मौसम में लोग तरह-तरह के पराठे खाना पसंद करते हैं। इन पराठों के साथ इस मौसम में रायता और मूली का अचार बनाया जाता है।

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे सर्दियों में मिलने वाला मूली का अचार पसंद होगा। वैसे तो मूली का अचार बनाना काफी आसान है, लेकिन बावजूद इसके कई बार लोग ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसकी वजह से अचार स्वादिष्ट बनने की बजाय सड़ने लगता है। आज हम आपको इन्हीं गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी आसान विधि से इस अचार को बनाकर सर्दियों में पराठों का मजा ले पाएं।

मूली को सही से सुखाना

मूली का अचार बनाते वक्त इस बात का ध्यान रखना काफी जरूरी हो जाता है। मूली में पानी का होना अचार को जल्दी खराब कर सकता है। अचार बनाने से पहले मूली को धोकर पूरी तरह सुखा लें। सुखाने के लिए इसे धूप में ही रखें, तभी इसका पानी पूरी तरह से सूखेगा। वरना ये अचार को खराब कर देगा।

मसाले होने चाहिए सही

मूली का अचार बनाते वक्त काफी कम मसालों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में इस अचार में मसालों की मात्रा सही होनी चाहिए। जरूरत से ज्यादा या कम मसाले डालने से अचार का स्वाद बिगड़ सकता है। इसकी हमेशा इस अचार को बनाने के लिए सही मसालों का इस्तेमाल करें।

तेल की मात्रा का रखें ध्यान

मूली के अचार में सही का उपयोग अचार को लंबे समय तक संरक्षित रखने के लिए किया जाता है। ऐसे में ये तेल पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए ताकि वह मूली को ढक सके। यदि तेल कम रहेगा तो इसमें फंगस होने लगेगी।

अचार में अवश्य लगाएं धूप

मूली को मसाले मिलाने के बाद तुरंत स्टोर न करें। उसे कुछ समय तक धूप में रखने दें ताकि उसका अतिरिक्त पानी निकल जाए। इसे कम से कम दो से तीन दिन की धूप दिखानी चाहिए, वरना ये सड़ जाएगा।

अचार को समय-समय पर न मिलाना

अचार को एक समान स्वाद देने के लिए उसे नियमित रूप से हिलाएं या मिलाएं। मसाले मिक्स करने के बाद जब इसे धूप में रखें तो दिन से दो से तीन बार इसे सही से मिक्स करें, ताकि इसमें मसालों का स्वाद सही से मिक्स हो जाए।

विविध

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए फायदेमंद है मेडिटेशन

अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में मेडिटेशन या ध्यान अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति भी दे दी है।

लाइफस्टाइल : योग और व्यायाम को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जो लोग नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं उनमें कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा कम होता है। अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में मेडिटेशन या ध्यान अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। जिस तरह से दुनियाभर में मानसिक रोगों को जोखिम बढ़ रहा है, ये एक अभ्यास आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। चूंकि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध शारीरिक सेहत से है, इसलिए मेडिटेशन का अभ्यास संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में मददगार हो सकता है।

मेडिटेशन से होने वाले फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करने और ध्यान अभ्यास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति भी दे दी है। यूएनजीए में भारत के एक सह-प्रायोजित प्रस्ताव जिसमें 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' के तौर पर घोषित करने के लिए कहा गया था, उसपर एकमत से मुहर लगी है। सभी देशों ने इसे स्वीकारते हुए एक तरफ से इसके पक्ष में वोटिंग की थी।

मेडिकल साइंस ने भी कई अध्ययनों में पाया है कि मेडिटेशन का नियमित अभ्यास शरीर के लिए कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है, कैसे? आइए जानते हैं।

पहले जानिए मेडिटेशन होता क्या है?

मेडिटेशन या ध्यान का अभ्यास आपके दिमाग को ध्यान केंद्रित करने और अपने विचारों को पुनर्निर्देशित करने की प्रक्रिया है।

मेडिटेशन के लिए किसी शांत जगह पर आराम से बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और मन को एक जगह पर केंद्रित करने का प्रयास करें। मेडिटेशन के दौरान अपनी सांसों पर ध्यान देने और मन को एकाग्र करने का प्रयास किया जाता है।

कई लोग इसे तनाव कम करने और एकाग्रता विकसित करने का एक तरीका मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि मेडिटेशन की मदद से सकारात्मक मनोदशा और दृष्टिकोण बनाने, आत्म-अनुशासन स्थापित करने, नींद के पैटर्न में सुधार करने और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में लाभ मिल सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी है मेडिटेशन

मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना आपकी मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में काफी मददगार हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से तनाव कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर तनाव की समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो इसका शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर हो सकता है जिसमें हृदय गति में वृद्धि, नींद से लेकर रक्तचाप तक की समस्याएं बढ़ जाती हैं।

साल 2017 में करीब 45 अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि ध्यान का अभ्यास कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं जैसे इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और फाइब्रोमाइल्जिया में भी लाभकारी है।

नींद की दिक्कत कम करने के लिए करें मेडिटेशन

नींद विकार के शिकार लोगों के लिए भी मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। साल 2014 के एक अध्ययन में माइंडफुलनेस आधारित सेशन के प्रभावों की जांच की गई। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने मेडिटेशन का अभ्यास किया उनमें नींद से संबंधित दिक्कतें कम हुईं। इसकी मदद से अनिद्रा में भी लाभ पाया जा सकता है।

यहां ध्यान देना जरूरी है कि जिन लोगों को नींद की दिक्कत बनी रहती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

क्या है 'टेक्स्ट नेक' जिसका युवाओं में बढ़ गया है खतरा, मोबाइल चलाते हैं तो हो जाएं सावधान

दुनियाभर में युवाओं में बढ़ती टेक्स्ट नेक बीमारी को लेकर अलर्ट किया जा रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि 73% विश्वविद्यालय के छात्रों और 64.7% लोग जो वर्क फ्रॉम होम करते हैं, वो इसका शिकार हो सकते हैं। आखिर क्या है ये समस्या?

लाइफस्टाइल : लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने वैश्विक स्तर पर हर उम्र के लोगों की सेहत को प्रभावित किया है। युवा आबादी भी इसका तेजी से शिकार होती जा रही है। युवाओं में बढ़ती डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या तो विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बनी ही हुई है, इसके साथ-साथ दुनियाभर में युवाओं में बढ़ती टेक्स्ट नेक बीमारी को लेकर भी अलर्ट किया जा रहा है। ये समस्या न सिर्फ असहनीय दर्द का कारण बनती है साथ ही कई अन्य प्रकार की असहजताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अध्ययनकर्ता बताते हैं कि टेक्स्ट नेक एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर बढ़ती जा रही है। महामारी विज्ञान के आंकड़ों से पता चलता है कि 73% विश्वविद्यालय के छात्रों और 64.7% लोग जो वर्क फ्रॉम होम करते हैं, वो इसका शिकार हो सकते हैं। टेक्स्ट नेक के कारण आपको गर्दन या पीठ दर्द में दर्द बनी रहती है जिसके कारण दिनचर्या के सामान्य कामकाज करने में भी दिक्कत महसूस होने लगती है।

आइए जानते हैं कि टेक्स्ट नेक क्या है और ये समस्या क्यों बढ़ रही है?

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक सिंड्रोम एक नया टर्म है, इसे टेक नेक या स्मार्टफोन नेक के नाम से भी जाना जाता है। लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों

जैसे मोबाइल फोन-कंप्यूटर को आगे की तरफ झुककर देखते रहने के कारण गर्दन पर अतिरिक्त दबाव और तनाव बढ़ जाता है जिसके कारण आपको ये दिक्कत हो सकती है। सरल भाषा में समझें तो टेक्स्ट नेक की दिक्कत तब होती है जब आप स्क्रीन को देखने के लिए सिर आगे और नीचे की ओर झुकते हैं और इसके कारण गर्दन और रीढ़ पर बार-बार तनाव बढ़ता है।

तटस्थ स्थिति में मानव सिर का वजन 10-12 पाउंड (साढ़े चार से पांच किलो) के बीच होता है लेकिन आगे की ओर झुकने पर यह वजन बढ़ जाता है जिससे गर्दन की मांसपेशियों और रीढ़ पर अतिरिक्त दबाव भी पड़ने लगता है।

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है ये समस्या?

साल 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि 35 प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से पीड़ित हो सकते हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक 15-18 वर्ष की आयु वाले लोग जिनका स्मार्टफोन पर अधिक समय बीतता है उनमें इस समस्या के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकता है। टेक्स्ट नेक सिंड्रोम के कारण गर्दन, पीठ के ऊपरी हिस्से और कंधे में दर्द बना रहता है।

गर्दन में लगातार या रुक-रुक कर होने वाला दर्द टेक्स्ट नेक के मुख्य लक्षणों में से एक है। पीठ में दर्द, विशेष रूप से कंधे की हड्डियों के बीच वाले हिस्से और गर्दन की मांसपेशियों में अकड़न की समस्या को इसका लक्षण माना जा सकता है जिसको लेकर सभी लोगों को विशेषरूप से ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है।

समय पर उपचार न होने से बढ़ सकती हैं दिक्कतें

इस तरह की समस्याओं पर समय रहते ध्यान देना और उपचार प्राप्त करना जरूरी हो जाता है। इलाज न हो पाने की स्थिति में गर्दन में होने वाला दर्द आसपास की मांसपेशियों को भी प्रभावित करने लगता है। पीठ के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों में असंतुलन होने का खतरा भी बढ़ जाता है, इसके साथ आपको कुछ समय के लिए भी गर्दन को एक मुद्रा में रखने में कठिनाई महसूस हो सकती है।

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम की समस्या समय के साथ आपकी 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है।

क्या इससे बचाव किया जा सकता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक की समस्या से बचे रहने के लिए सभी लोगों को प्रयास करते रहना चाहिए। चूंकि युवा लोग फोन से अधिक लगे रहते हैं इसलिए युवाओं को और भी सावधान रहना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते समय अपनी शारीरिक मुद्रा को ठीक रखना, गर्दन को बहुत आगे की तरफ न झुकाना जरूरी है।

डिवाइस को आंखों के स्तर पर रखें, जिससे गर्दन को ज्यादा झुकाना न पड़े। गर्दन और कंधों को स्ट्रेच करने और आराम देने के लिए बार-बार ब्रेक लें। लैपटॉप स्टैंड और फोन होल्डर आदि के इस्तेमाल से भी टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से बचा जा सकता है।

सबसे जरूरी बात यदि आपको कुछ समय से गर्दन या पीठ में दर्द बना रहता है तो इसे अनदेखा न करें और डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

नोटः यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

शुक्रवार 13 दिसंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

सांय सांय पूरी हो रही मोदी की हर गारंटी: विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने एक साल पूर्ण होने पर बिलासपुर को दी 452 करोड़ की सौगात

बिलासपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज तखतपुर ब्लॉक के जेएमपी शासकीय स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में जिले को 451 करोड़ 25 लाख की लागत के 134 विकास कार्यो की सौगात दी। इनमें 143 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 69 विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण और 307 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली 65 कार्यो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने तखतपुर विधायक श्री धरमजीत सिंह के अनुरोध पर तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बेड संख्या 30 से बढ़ाकर 50 बेड अस्पताल करने, तखतपुर नगर पालिका में चौपाटी निर्माण के लिए 1 करोड़, तखतपुर में बाबा गुरूघासीदास जयंती उत्सव के लिए 5 लाख रुपए देने सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के चयनित 142 कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई गारंटी को पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री की सभी गारंटिया सांय-सांय पूरी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजीटल माध्यमों के इस्तेमाल से भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। कार्यक्रम में केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि मोदी की हर गारंटी पूरा हो रही है पिछले 1 साल में बहुत सारे काम हमने किए हैं। किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान कर रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत राज्य की 70 लाख महिलाओं को हर महीना 1000 रूपए दे रहे हैं। किसानों को धान खरीदी की प्रोत्साहन राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता की पारिश्रमिक दर 4000 से बढ़कर 5500 रूपए किया हैं। रामलला दर्शन योजना भी हमने बनाई और क्रियान्वित की। राज्य में अब तक 20 हजार से ज्यादा रामभक्त रामलला का दर्शन कर चुके हैं। इस कड़ी में आगे मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना भी जल्द शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि बूढ़े मां-बाप की इच्छा होती है की जीवन में एक बार तीरथ-बरत किया जाए। गरीब लोगों की मजबूरीवश इच्छा पूरी नहीं हो पाती है। उनकी यह इच्छा हमारी सरकार पूरी करेगी। डिजिटल माध्यमों का उपयोग भ्रष्टाचार को रोकने और सुशासन लाने में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला कोयला घोटाला की संभावना को हमने सुशासन के जरिए रोका है। प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप पीएससी की सीबीआई जांच शुरू हो गई है। पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न हुई। मोदी की एक और गारंटी इस रूप में पूरी हुई। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष परीक्षा होने से किसान मजदूर गरीब के बेटे आज बड़े-बड़े पद पर चयनित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिलासपुर हवाई अड्डे में आगे भी तेजी से विकास होगा, नाइट लैंडिंग की लैंडिंग की सुविधा जल्द मिलेगी इस बाबत मैं केंद्रीय उद्यान मंत्री से दिल्ली में मुलाकात की है। उन्होंने जल्द नाइट लैंडिंग सुविधा के लिए भरोसा दिलाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का फायदा राज्य को मिल रहा है मजबूती से हमारी सरकार नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का बीड़ा हमने उठाया है इसमें केंद्र सरकार का भरपूर सहयोग इसमें मिल रहा है। उन्होंने कहा की नियद नेल्लानार योजना के तहत घोर नक्सली एरिया में हमने विकास की रोशनी पहुंचाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के 1 साल पूर्ण होने पर जनादेश तिहार के रूप में इसे मनाया जा रहा है। रायपुर में 13 दिसंबर को बड़ा कार्यक्रम है। उन्होंने आम जनता को इस समारोह में शामिल होने का न्योता दिया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सर्वश्री धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सिंह चौहान, तखतपुर नगर पालिका अध्यक्ष, श्रीमती अमरीका कृष्णा साहू, संभाग आयुक्त श्री महादेव कावरे, कलेक्टर श्री अवनीश शरण, एसपी श्री रजनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में तखतपुर के लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय विकास एवं शहरी राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है सरकार बनते ही 18 लाख आवास गरीबों को समर्पित किया गया। किसानों को 2 साल का बकाया बोनस भी एकमुश्त दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज का यह दिन ऐतिहासिक है जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिले को 452 करोड़ के विकास कार्यो की सौंगात दी है। हमारी प्रतिबद्धता जनता और विकास कार्यो के प्रति है। प्रदेश में सांय सांय विकास कार्य हो रहे हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ने दिया।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं-

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बेड संख्या 30 से बढ़ाकर 50 बेड अस्पताल किया गया, तखतपुर में चौपाटी निर्माण के लिए 1 करोड़ दिया जाएगा, नगरपालिका को एक फायर ब्रिगेड देने की घोषणा, करनकांपा हाइ स्कूल का उन्नयन कर हायर सेकेंडरी किया गया, मोछ में हाइ स्कूल भवन निर्माण की स्वीकृति, तखतपुर में बाबा गुरु घासीदास जयंती उत्सव के लिए 5 लाख देने की घोषणा एवं बेलतरा तहसील के ग्राम नगोई में तहसील का लिंक कोर्ट लगाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित 3 हजार 883 हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक का वितरण किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तखतपुर में आयोजित सभा में जिला प्रशासन द्वारा संचालित बाइक एंबुलेंस सेवा की जमकर सराहना की। उन्होंने जिला कलेक्टर अवनीश शरण को इस नवाचार के लिए बधाई दी।

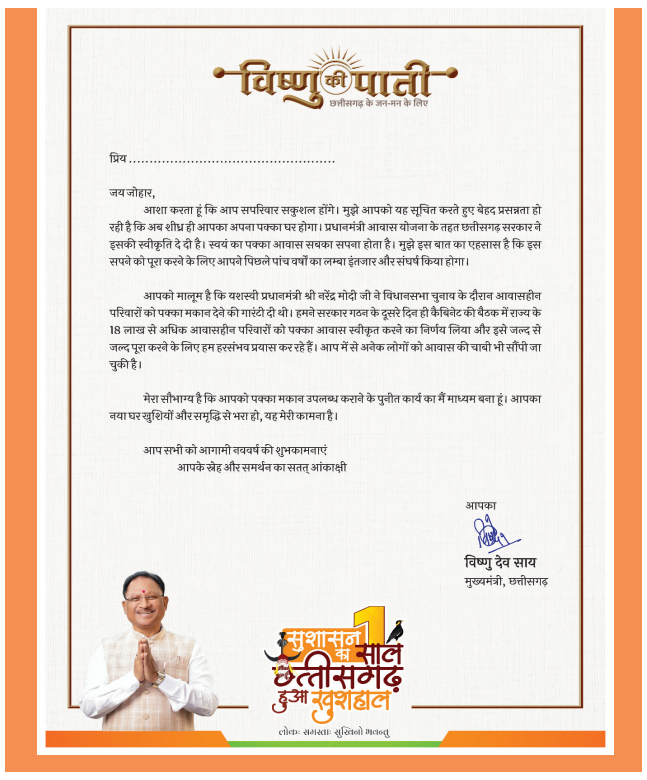

शीघ्र ही आवासहीनों के पास होगा अपना स्वयं का आवास

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में नगर निगम और निजी कंपनी के बीच एमओयू

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में तखतपुर में आयोजित कार्यक्रम में जीआईएस आधारित मेकैनाईज़ड और मैन्युअल सफाई के लिए नगर निगम और निजी कंपनी लायंस सर्विसेस के बीच एमओयू संपन्न हुआ। नगर निगम की ओर से आयुक्त श्री अमित कुमार एवं कंपनी की ओर कंपनी के सीईओ श्री रोहित भसीन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विभाग के मंत्री श्री अरूण साव भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा बिलासपुर नगर निगम की पूर्व सीमा में किए जा रहे सड़क सफाई कार्य विस्तारित करते हुए नगर निगम बिलासपुर की सीमा में शामिल बेलतरा, बिल्हा, तखतपुर एवं मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के सफाई कार्य हेतु जीआईएस आधारित मेकैनिकल एवं मैन्युअल स्वीपिंग कार्य हेतु 476.27 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अंतर्गत नगर निगम सीमा के सभी हाईवे की मशीन से सफाई की जाएगी एवं आवासीय और व्यवसायिक क्षेत्रों की मैन्युअल सड़क सफाई की जाएगी। इस योजना के क्रियान्वयन से नगर निगम की सीमा में शामिल बेलतरा, बिल्हा, तखतपुर, मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्राम पंचायत, 2 नगर पंचायत एवं 1 नगर पालिका क्षेत्र के नागरिकों को सफाई व्यवस्था का लाभ मिलेगा। साथ ही 800 नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इस योजना के क्रियान्वयन से स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए जॉब फेयर 16 दिसम्बर को

रायपुर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 दिसम्बर 2024 को रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, रायपुर में सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस जॉब फेयर के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक एस.आर. हास्पिटल-चिखली (दुर्ग) में मेडिकल ऑफिसर, डेन्टिस्ट, फिजियोथेरेपी, ओटी टेक्नीशियन, एक्सरे टेक्नीशियन, पैथेलॉजी लैब, नर्सिंग स्टॉफ, डायलिसिस टेक्नीशियन, फिल्ड ऑफिसर, इलेक्ट्रीशियन ड्राइवर, कार्पोरेट मानियो, टीपीए मैनेजर, अकाउंटेंट, फार्मासिस्ट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, पलंबर, जीएम मार्केटिंग, नर्सिंग, मल्टीवर्कर गार्ड के लिए भर्ती होगी। इसी प्रकार रूद्रा इंटरप्राईजेस में मीटर टेक्नीशियन, मोबाईल ऑपरेटर, फिल्ड सर्वेयर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेलीकॉलर, बसंत मोटर्स में सर्विस कंसल्टेंट, पार्ट मैनेजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर टेक्नीशियन, सेल्स एग्जीक्यूटिव और जी.एस. ऑटोमोबाईल में सेल्स एग्जीक्यूटिव, सीनियर एडवाइजर, टेलीकॉलर, टेक्नीशियन, हेल्पर के लिए न्यूनतम 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, डी.सी.ए. तथा हास्पिटल सेक्टर के लिए एम.बी.बी.एस. बी.ए.एम.एस, बी.डी.एस, फार्मासिस्ट, एक्स-रे टेक्निशियन, लैब टैक्निशियन, नर्सिंग, डायलासिस टेक्निशियन, आई.टी.आई. (इलेक्ट्रिकल), वाहन चालक, एम.बी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., उत्तीर्ण आदि के कुल 317 से अधिक पदों पर 10 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह वेतन पर भर्ती होगी।

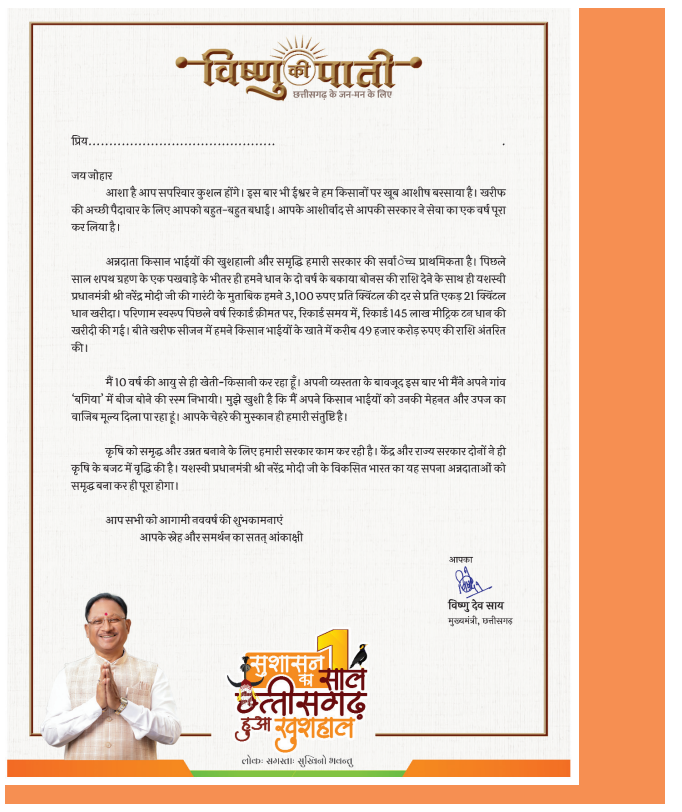

किसान भाईयों को अच्छी पैदावार के लिए बधाई

पुलिस की बच्चों से अपील- घर के किसी भी सदस्य को बिना हेलमेट दोपहिया चलाने से रोकें

- हनीफ़ बक्श

यातायात की पाठशाला

बिलासपुर (दैनंदिनी)। बिलासपुर जिले की आम जनता को विभिन्न अपराधों के प्रति, साइबर ठगी के प्रति, महिला एवं बच्चों के शोषण के प्रति, एवं सुगम यातायात के प्रति जागरूक करने के आशय से बिलासपुर पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के द्वारा संचालित बहुउद्देशीय कार्यक्रम चेतना का प्रचार प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रम इस समय जिले में चरम सीमा पर है। इसी क्र म में आज बिलासपुर यातायात प्रभारी डीएसपी से शिवचरण सिंह परिहार ने बताया कि शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा ग्राम पंधी सीपत में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय शिविर में यातायात की ओर से उमाशंकर पांडे आरक्षक रोशन , भुनेश्वर एवं जीवधरणी फाउंडेशन के विकास वर्मा के द्वारा यातायात की पाठशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उमाशंकर

पांडे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों के साथ-साथ स्थानीय स्कूल के बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्रों को सुरक्षित यातायात की अतिमहत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस क्रम में उन्होंने सड़क में प्रवेश करने के नियम, चलने के नियम, यातायात संकेत, सड़क दुर्घटना के कारण और निवारण सहित गुड सेमीरिटन के संबंध में सविस्तार समझाया। उमाशंकर पांडे ने विद्यार्थियों से अपील की कि जब भी आपके माता-पिता या घर का कोई भी सदस्य दो पहिया में जाने को निकले तो बिना हेलमेट उन्हें जाने से रोके। बच्चों का यह प्रयास माता-पिता के मस्तिष्क में बच्चों का अमिट स्याही से हस्ताक्षर होगा और तब वे निश्चित रूप से यातायात नियमों का पालन करेंगे। जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों से यातायात से जुड़े प्रश्न किए गए तथा सही उत्तर बताने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। जीवधरणी फाउंडेशन के विकास वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे से हमेशा दूर रहने की सलाह देते हुए बताया कि नशा किसी भी कोण से मानव के हित में नहीं है। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य श्री संजय शर्मा के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती राजश्री कौशिक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना- आपके भाई की ओर से सादर उपहार

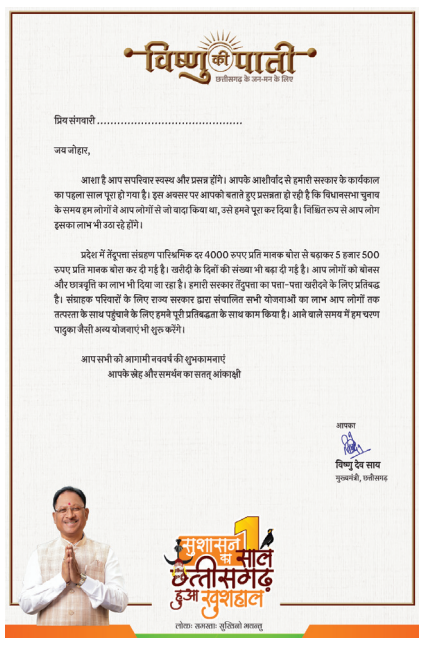

तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार

अब ख्याल आया कि संसद चले, चर्चा हो...

संपादकीय

राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं। अपनी मौज में रहते हैं। कब क्या कहेंगे,कब क्या करेंगे यह तो उ?के अलावा कोई जानता नहीं है ।पार्टी के लोगों की बड़ी जिम्मेदारी होती है कि राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है उसे सही साबित करें, जो किया है, उसे सही साबित करें। वे कांग्रेस के बड़े नेता हैं, अपनी मर्जी से काम करते हैं, जो सोच लिया वही सही है,सोच लिया सही है तो वह उस मुद्दे को छोड़ते नहीं है। चाहे पार्टी को नुकसान हो जाए चाहे संसद को नुकसान हो जाए। कई बार नुकसान होने के बाद उनको एहसास कराया जाता है कि इतना नुकसान हो गया है तो नुकसान की भरपाई के लिए क्या किया जा सकता है, इस पर सोचते हैं और नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करते हैं तब तक जो नुकसान हो चुका रो चुका होता है, वह हो चुका होता है। अडानी के मामले में पहले दिन से रोज हंगामा होने के कारण संसद में कामकाज बहुत कम हुआ है, इतना कम हुआ है कि कहा जा सकता है कि संसद ११ दिन से ठप है ।जब संसद में कामकाज ही नहीं होना है तो संसद सत्र बुलाने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। संसद सत्र तो बुलाया इसलिए जाता है कि सांसद अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे और सरकार से सवाल पूछेंगे। सरकार से मांग करेंगे ।देश की जनता की समस्याओं पर बहस करेंगे। सरकार देश व जनहित में कानून बनाएगी ।सांसद सवाल पूछेंगे तो सरकार की तरफ से उसका जवाब दिया जाएगा। संसद चर्चा करने की जगह है, बहस करने की जगह है, हंगामा करने की जगह नहीं है जनता जिन लोगों को सांसद चुनती है उनको इसलिए चुनती है कि वह अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाएंगे, उस पर सरकार से जवाब चाहेंगे। जनता सांसद हंगामा करने के लिए किसी को चुनती नहीं है। लेकिन हर सत्र में कुछ सांसदों का आचरण देखा जाए तो लगता है कि जनता ने इनको इसी काम के लिए चुना है ।संसद में १० दिन हंगामा के बाद राहुलगांधी को ख्याल आया कि संसद चलनी चाहिए,चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होने के नाते पहले दिन से ही इस बात का खास ख्याल रखना था कि संसद चलनी चाहिए, संसद में बहस होनी चाहिए।१० दिन बाद यह ख्याल आया चलो देर से ही सही संसद चलनी चाहिए, संसद में चर्चा होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी को मालूम होना चाहिए कि संसद नहीं चलने से सरकार को कोई नुकसान नहीं होता है। वह तो अपने बिल संसद के आखिरी दो तीन दिन में पास करवा लेती है। सरकार का कोई काम नहीं रुकता है, उसका काम तो चलता रहता है। संसद नहीं चलने से पूरा नुकसान तो विपक्ष का होता है क्योंकि उसको मुद्दे उठाने का मौका नहीं मिलता, उस पर चर्चा करने का मौका नहीं मिलता,सरकार से अपने सवालों का जवाब मांगने का मौका नहीं मिलता ।सरकार की आलोचना करने का मौका नहीं मिलता है, सरकार को घेरने का मौका नहीं मिलता है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दस दिन बाद सही संसद चलने व चर्चा होने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला चर्चा की तो यह अच्छी बात है। अभी भाजपा वालों ने अपना रुख साफ नहीं किया है कि वह क्या चाहते हैं ।संसद में शुरू के दिनों में तो राहुल गांधी व विपक्ष के सांसद अडानी के मुद्दे को लेकर संसद चलने नहीं दे रहे थे। और सरकार से कह रहे थे कि संसद चलाने की जिम्मेदारी तो सरकार की है. जो नहीं कहा गया वह यह था कि सरकार चलाने की जिम्मेदारी विपक्ष की तो है ही नहीं। विपक्ष काम तो एक बड़े मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछना है, सरकार जवाब न दे, चर्चा न कराए तो हंगामा करना है। पिछले कुछ दिनों से भाजपा वालों ने जार्ज सोरोस के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी व सोनिया गांधी से कई सवाल पूछे हैं तथा उसका जवाब देने को कहा है, कांग्रेस की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है ।बस इतना कहा गया है कि अडानी के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सोरोस का मुद्दा लाया गया है। भाजपा सोरोस के मुद्दे पर रोज कांग्रेस से सवाल पूछ रही हैऔर इसे लेकर संसद में हंगामा हो रहा है। पहले सिर्फ कांग्रेस संसद नहीं चलने दे रही थी, अब तो भाजपा भी उसी रास्ते पर चल निकली है। संसद चलाना तुम्हारी जिम्मेदारी नहीं है तो भाजपा की भी जिम्मेदारी नहीं है। उसको भी अपने सवालों के जवाब चाहिए। जब तक जवाब नहीं दिया जाएगा, सवाल रोज पूछे जाते रहेंगे। बहुत दिनों बाद संसद में भाजपा आक्रामक हुई है या कहें कि कांग्रेस ने आक्रामक होने पर मजबूर कर दिया ।वह कांग्रेस के हंगामें का जवाब हंगामे से दे रही है और अब कांग्रेस वाले चाहते हैं कि संसद चलनी चाहिए। कांग्रेस व राहुल गांधी को रास्ते पर भाजपा ने यह अच्छा तरीका खोजा है कि कांग्रेस हंगामा करती है तो उससे ज्यादा हंगामा करो ।वह संसद नहीं चलने देती है, खुद भी उससे ज्यादा संसद न चलने दे और एहसास कराए कि हम जो कर रहे हैं वह गलत है तो आप जो कर रहे थे वह भी गलत है।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

ललित गर्ग

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है।

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में भी ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई।

प्रदूषण

योगेंद्र योगी

गडकरी बताएं दिल्ली-एनसीआर के लोग आखिर कहां जाएं

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्ट्री के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है।

देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण इतना खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली आने से घबराते हैं। गडकरी ने कहा कि स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड? से वे दिल्ली आने से कतराते हैं। गडकरी मंत्री हैं। उनके पास साधन और सुविधाएं हैं। वे कहीं भी आसानी से आवागमन कर सकते हैं। सवाल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र (एनसीआर) के करोड़ों लोगों के जीवन का है। इतने लोग अपना कामकाज, घरबार छोड़ कर कहां जाएं। प्रदूषण के धीमे जहर को पीना उनकी मजबूरी बन गई है। ज्यादातर सांसदों, मंत्रियों पर अकूत दौलत है। उनके लिए प्रदूषण से बचने के लिए कहीं भी देश में सरकारी खर्च पर आना-जाना आसान हैं। वैसे भी नेताओं को संसद और विधानसभा को सुचारू चलाने की ज्यादा ड्डूषचता नहीं है। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को सरकारी मशीनरी और नेताओं के नाकारपन का अभिशाप झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली हर तरह के जानलेवा प्रदूषण की शिकार है। वाहनों और फैक्ट्री के धुएं से होने वाला प्रदूषण, यमुना का प्रदूषण और घरों-प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का प्रदूषण। तीनों तरह के प्रदूषण का बोझ उठाने के लिए दिल्ली अभिशप्त हो चुकी है। दिल्ली में केंद्र भाजपा गठबंधन की और राज्य में आप की सरकार मौजूद हैं। इससे पहले दिल्ली में लंबी अवधि तक कांग्रेस का शासन रहा है। प्रदूषण से निपटने में सभी राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। दिल्ली में कचरे का पहाड़ आज भी नेताओं के दावों-वादों को मुंह चिढ़ा रहा है। हिंदू-मुस्लिम विवाद और भ्रष्टाचार की तरह प्रदूषण नेताओं के लिए कभी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया। जब कभी प्रदूषण का मुद्दा उठता भी है तो केंद्र और दिल्ली की सरकार गेंद एक-दूसरे के पाले में डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बरी हो जाती हैं। यही वजह है कि दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा इतनी बिगड़ चुकी है कि सांस लेना भी दुभर हो रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली में रहने वाले कम से कम १० सिगरेट जितना प्रदूषण हर दिन लेने को विवश हैं। सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण जैसी संवैधानिक स्वतंत्र संस्थाए भी तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण से निपटने में प्रभावी भूमिका अदा नहीं कर सकी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपने बयान में स्वीकार किया था कि दिल्ली में ५० प्रतिशत प्रदूषण वाहनों से निकलता है। गडकरी देश के परिवहन मंत्री हैं। ऐसे में सवाल यही उठता है कि आखिर प्रदूषण की विकराल समस्या से निपटने की जिम्मेदार किसकी है। जब देश का परिवहन मंत्री ही समस्या के समाधान से मुंह चुराने लगे तो अवाम किससे उम्मीद करे। स्विस संगठन की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट 2023 के अनुसार, 2023 में 134 देशों में से बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत की वायु गुणवत्ता तीसरी सबसे खराब की भविष्यवाणी की गई। राष्ट्रीय राजधानी को वर्ष 2018 से लगातार चार बार विश्व का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोग पीएम 2.5 की सांद्रता का अनुभव करते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित वार्षिक

दिशानिर्देश स्तर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक है। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से खराब हालात में सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रयास भी सरकारों के नाकारपन के कारण बौने साबित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट दर्जनों बार फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई दौरान कहा कि कोर्ट कमिश्नरों की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अदालत ने कहा कि सरकारी एजेंसियों और दिल्ली पुलिस के बीच समन्वय की कमी है।

साथ ही अदालत ने कहा कि दिल्ली में फिल्हाल ग्रैप-4 जारी रहेगा। दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीपीसीसी, सीएक्यूएम और अन्य अधिकारियों के बीच समन्वय की पूरी तरह से कमी है। समन्वय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग पर है। इसलिए ग्रैप-4 को लागू करने के लिए समन्वय हो। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा की राज्य सरकारों को फटकार लगाई क्योंकि राज्य प्रदूषण विरोधी उपायों को लागू करने में विफल रहे। यह ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब बनी हुई है, जिससे सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। मामले की सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा खेतों में लगी आग को बुझाने के प्रयासों को मात्र दिखावा करार दिया। हवा की गुणवत्ता खराब होने का एक स्पष्ट कारण पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में पराली जलाने की बार-बार होने वाली घटनाएँ हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर को पर्यावरण कानूनों को शक्तिहीन बनाने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम के तहत पराली जलाने पर दंड से संबंधित प्रावधानो को लागू नहीं किया गया है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के प्रावधान को लागू करने के लिए कोई आवश्यक तंत्र बनाए बिना ही अधिनियम लागू कर दिया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार भारत में हर साल पैदा होने वाले 22 मिलियन टन चावल के ठूंठ में से लगभग 14 मिलियन टन पराली को आग के हवाले कर दिया जाता है। यह पैदा होने वाले चावल के ठूंठ का लगभग 63.6 प्रतिशत है और हरियाणा और पंजाब में अकेले जलाई जाने वाली पराली का 48 प्रतिशत हिस्सा है। हालत यह है कि वोटों के डर से राज्य और केंद्र की सरकारें पराली जलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा पा रही हैं। राजनीतिक दलों के लिए किसानों का वोट बैंक आम लोगों के जीवन पर भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि पराली जलाने की हर साल होने वाले घटनाओं के बावजूद कोई भी सरकार सख्त कदम उठाने से हिचकिचाती है। यहां तक की सरकारें वोटों के लालच में लगातार अदालत के निदेर्शों की अवहेलना कर रही हैं। कुछ दिन पहले हरियाणा सरकार ने कथित तौर पर कैथल जिले में पराली जलाने के आरोप में 18 किसानों को गिरफ्तार किया था। ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगाने में विफल रहने के कारण राज्य के कृषि विभाग के करीब 24 अधिकारियों को निलंबित भी किया गया था। गौरतलब है कि हजारों किसान पराली हर साल जलाते हैं। इसके बावजूद कुछ किसानों की गिरफ्तारी महज दिखावा है। केंद्र सरकार ने 2022 में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर राज्यों में फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की। पंजाब को पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए 2018-22 के दौरान इस योजना के तहत 1,387.6 करोड़ रुपये से अधिक मिले। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने 22 अक्टूबर को पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह बताए कि राज्य में धान की पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उसने क्या कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के लगातार प्रयासों के बावजूद प्रदूषण से बिगड़े हालात में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। दरअसल नौकरशाह नेताओं के इशारों पर काम करते हैं। नेता वोट के कारण किसानों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से कतराते हैं। यह निश्चित है विश्व में प्रदूषण को लेकर बदनाम हो चुकी राजधानी के हालात सुधारने के लिए जब तक अदालतें नौकरशाहों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं करेंगी, तब तक इनकी प्रवृत्ति में सुधार संभव नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए परस्पर सहयोग की भावना बनाए रखने के लिए रहेगा। आप परोपकार के कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आपके घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर कुछ समस्या आ सकती है। आप अपने कामों को लेकर यदि किसी दूसरे पर डिपेंड रहेंगे, तो वह आपके कामों को लटका सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की प्राप्ति के लिए रहेगा। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी। आज आपकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहेगा, क्योंकि कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपको पूरी तवज्जो देंगे और आपके प्रमोशन की बात को भी आगे कर सकते हैं। यदि आपने किसी नई प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने का सोचा था, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो आपको उसे समय रहते पूरा करने की आवश्यकता है। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा। आप किसी से धन का लेनदेन ना करें, नहीं तो उससे आपके आपसी रिश्ते खराब हो सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपके बॉस कार्यक्षेत्र में आपको कोई नया पद दे सकते हैं। आप अपनी जॉब में भी चेंज करने के बारे में प्लानिंग कर सकते हैं। आपको अपने कामों की योजना बनाकर करने की आवश्यकता है, तभी वह पूरी हो सकती हैं। सहयोगी आपके काम में आपका पूरा साथ देंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। शेयर मार्केट में यदि आपने इन्वेस्टमेंट करने के बारे में सोचा है, तो उसमें आपको कोई नुकसान हो सकता है। आपको किसी की कहीसुनी बातों में आने से बचना होगा। आपके कुछ नए विरोधी हो सकते हैं, जो आपको समस्या देंगे। आप अपनी किसी पारिवारिक समस्या को बाहरी व्यक्ति के सामने उजागर न करें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपके जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे। आपको अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके खर्च बेतहाशा बढ़ेंगे। आप शान-शौकत की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। आपके घर किसी नए मेहमान के आने से आप खुश रहेंगे। परिवार में एकजुटता नजर आएगी। आप अपने मन में ईष्या की भावना ना रखें।

तुला- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों में आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी कानूनी मामले में किसी परिजन से कोई सलाह बहुत ही सोच समझ कर लेनी होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है, जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधानी बरतनी होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपके मन में यदि किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे न बढें.। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी। यदि आपने कोई निर्णय जल्दबाजी में लिया, तो वह आपको समस्या दे सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से कुछ समस्याएं आ सकती हैं। आपको अपने पिताजी की सेहत पर ध्यान देना होगा। संतान के करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। प्रॉपर्टी को लेकर आप किसी वाद-विवाद में पड़ सकते हैं। किसी काम को लेकर आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी को धन उधार देने से बचें। यदि आपने शेयर मार्केट में इनवेस्टमेंट का सोचा है, तो उसके लिए आप किसी वरिष्ठ सदस्य से राय अवश्य लें। घर परिवार में चल रही समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी। जो आपको थोड़ी टेंशन तो देगी, लेकिन आप दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में भी व्यतीत करेंगे। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरूआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। विद्यार्थियों को शिक्षा में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिसके लिए उन्हें अपने सीनियर से सलाह लेनी पड़ेगी। बिजनेस में आपकी किसी पुरानी योजना से आपको अच्छा लाभ मिलेगा, जिससे आपको खुशी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊजार्वान रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप कामों को करने में काफी जल्दबाजी दिखाएंगे। आपके रुके हुए काम भी पूरे होंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। माता-पिता की सेवा के लिए आप कुछ समय निकालेंगे। यदि आपको किसी बात को लेकर कोई टेंशन चल रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी।

कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं राहुल

अजीत द्विवेदी

इस साल की शुरूआत में विपक्षी गठबंधन 'इंडियाझ की एक बैठक में जब अध्यक्ष पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम आगे आया तो उनको राहुल गांधी ने यह कह कर रोका था कि इसके लिए तो ममता बनर्जी से बात करनी होगी। विडम्बना देखिए कि थोड़े समय के बाद नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों 'इंडियाझ ब्लॉक से बाहर हो गए और अब ममता बनर्जी ही अध्यक्ष पद की दावेदार हो गई हैं! समय का चक्र इतनी तेजी से घूमा है कि कांग्रेस के नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि वे इस स्थिति का सामना कैसे करें। महज छह महीने पहले चार जून को जब लोकसभा के नतीजे आए तो कांग्रेस और राहुल गांधी की जय जयकार हो रही थी। परंतु उसके बाद चार राज्यों के विधानसभा चुनाव ने सारी तस्वीर बदल दी। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र की हार ने कांग्रेस को बैकफुट पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी के विपक्ष का सर्वमान्य नेता होने की जो धारणा बनी थी वह सवालों के घेरे में आ गई है। एक के बाद एक विपक्षी पार्टियां राहुल के नेतृत्व पर सवाल उठा रही हैं ।इसमें सबसे दिलचस्प टिप्पणी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन 'इंडियाझ के नेता नहीं हैं। 'इंडियाझ के नेता मल्लिकार्जुन खडगे हैं। पर सवाल है कि खडगे कब नेता चुने गए? इस साल लोकसभा चुनाव से पहले 13 जनवरी को विपक्षी गठबंधन 'इंडियाझ की जो आखिरी बैठक हुई थी वह वर्चुअल थी और उसमें खडगे को अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी थी। लेकिन उसके बाद कभी इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई कि खडगे विपक्षी गठबंधन के अध्यक्ष हैं। 13 जनवरी की बैठक में सिर्फ नौ पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को खुद खडगे ने न्योता दिया था लेकिन वे उस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। सो, जाहिर है कि खडगे अनौपचारिक रूप से भले 'इंडियाझ ब्लॉक का नेतृत्व करते हों लेकिन उनको नेता कभी नहीं घोषित किया गया ।फिर सवाल है कि रामगोपाल यादव ने क्यों कहा कि राहुल नेता नहीं हैं और खडगे नेता हैं? इसलिए कहा क्योंकि चाहे समाजवादी पार्टी हो या तृणमूल कांग्रेस हो, उनको राहुल गांधी से समस्या है। यह समस्या रामगोपाल यादव की आगे कही बातों से जाहिर हो गई। उन्होंने कहा कि चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का, कांग्रेस कहीं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। उन्होंने भाजपा के साथ आमने सामने के मुकाबले में कांग्रेस की कमजोरी का खासतौर से जिक्र किया। यह भी याद रखने की बात है कि पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खडगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। तभी यह अनायास नहीं है कि आज खडगे को रामगोपाल यादव 'इंडियाझ ब्लॉक का नेता बता रहे हैं। बहरहाल, राहुल गांधी के नेतृत्व पर जो सवाल उठ रहे हैं उसके दो पहलू हैं। एक पहलू यह है कि वे कांग्रेस में जोश नहीं भर पा रहे हैं। कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस को रिइन्वेंट करके भाजपा से लडने.लायक नहीं बना पा रहे हैं। वे वैचारिक और सैद्धांतिक धरातल पर तो भाजपा को टक्कर दे रहे हैं लेकिन जमीनी राजनीति और चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। सो, विपक्षी पार्टियां और कांग्रेस नेताओं का भी एक बड़ा हिस्सा मान रहा है कि राहुल गांधी से नहीं हो पाएगा। अपनी तमाम अच्छाइयों के बावजूद वे न तो कांग्रेस को भाजपा से लडने.लायक बना सकते हैं और न उनकी कमान में विपक्षी गठबंधन भाजपा को प्रभावी रूप से टक्कर दे पाएगा। तभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि 'इंडियाझ ब्लॉक बना रहे लेकिन उसकी कमान किसी और नेता के हाथ में रहे। यह बात 'इंडियाझ ब्लॉक में शामिल रामगोपाल यादव भी चाहते हैं और उससे बाहर रह कर राजनीति कर रही ममता बनर्जी भी चाहती हैं। इन सभी नेताओं को पता है कि भाजपा से लडने.के लिए एक बड़े गठबंधन की जरुरत है, जिसमें कांग्रेस का होना भी जरूरी है। परंतु साथ ही ये नेता यह भी चाहते हैं कि कोई ज्यादा परिपक्व और चुनावी राजनीति में भाजपा को परास्त करने वाला नेता इस गठबंधन का नेतृत्व करे। इस सचाई को समझना होगा कि सारी विपक्षी पार्टियां सत्ता चाहती हैं और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से मुक्ति चाहती हैं। वह तभी होगा, जब केंद्र में उनकी सरकार बनेगी। उनको लग रहा है कि राहुल गांधी के हाथ में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की कमान रही तो ऐसा नहीं हो पाएगा। राहुल के नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का दूसरा पहलू यह है कि कई विपक्षी पार्टियां राहुल गांधी के साथ काम करने में असहज हैं। उनको लग रहा है कि राहुल व्यावहारिक राजनीति करने में सक्षम नहीं हैं। वे आदर्शवादी बातें ज्यादा करते हैं और व्यावहारिक राजनीति के दांवपेंच उन्होंने अभी तक नहीं सीखे हैं। विपक्षी पार्टियों और कांग्रेस के भी अनेक नेताओं व प्रादेशिक क्षत्रपों को राहुल गांधी की टीम के साथ काम करने में मुश्किल आती है।

बस्तर अंचल में अब बह रही है विकास की बयार : साय

मुख्यमंत्री ने पखांजूर में 254 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

रायपुर (दैनंदिनी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कांकेर जिले के पखांजूर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों की भलाई और उन्नति के लिए कार्य कर रही है। बस्तर अंचल के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं से बस्तर में रहने वाले लोगों को केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ-साथ सड़क, स्कूल, पेयजल, आवास, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं आसानी मिल रही है। अब बस्तर में विकास की बयार बह रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में पखांजूर से मायापुर सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए 8.78 करोड़ रुपए, खेल परिसर निर्माण के लिए 02 करोड़, सिविल अस्पताल के मरम्मत कार्य के लिए 30 लाख रूपए और नालंदा परिसर लाइब्रेरी निर्माण की घोषणा की। उन्होंने नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री असीम रॉय की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कुल 254.15 करोड़ रुपए के 68 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 215.41 करोड़ रूपए के 43 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 38.74 करोड़ रूपए के 25 कार्यों का लोकार्पण सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि 13 दिसंबर को प्रदेश की सरकार का एक साल पूरा होने जा रहा है और इतने कम समय में जनता से किए गए वायदों को पूरा करने सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गठन के तुरंत बाद 25 दिसंबर को सुशासन दिवस पर किसानों को अंतर की राशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए आवासों की स्वीकृति दी गई। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक प्रति मानक बोरा 4000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के विकास के लिए सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है। नियद नेल्लानार योजना के तहत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वहीं विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास से जोड़ने पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। प्रदेश में नई उद्योग नीति लागू कर व्यवसाय और उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह राज्य पीएससी की परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सीबीआई लगातार कार्रवाई कर रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि पिछले एक साल में साय सरकार ने प्रदेशवासियों के लिए अनेक कार्य किए। राज्य की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना में हर महीने एक-एक हजार रूपए की राशि दी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगातार आवास बन रहे है। किसानों से लेकर हर वर्ग का कल्याण हो रहा है। कार्यक्रम को अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम देव उसेंडी ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, नगर पंचायत पखांजूर की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका साहा, पूर्व विधायक श्री देवलाल दुग्गा, मंतूराम पवार, राज्य मत्स्य विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री भरत मटियारा सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उद्यानिकी फसलों का बीमा 30 तक

बीजापुर। सहायक संचालक उद्यान विभाग से मिली जानकारी अनुसार पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना योजना भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी लिमिटेड द्वारा रबी वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है। रबी वर्ष 2024 में फसल बीमा हेतु निम्नलिखित उद्यानिकी फसलों टमाटर, बैंगन, फुलगोभी, पत्तागोभी, प्याज एवं आलू कों अधिसूचित किया गया है। उक्त उद्यानिकी फसलों की बीमा करने की अंतिम तिथि 30 दिसम्बर 2024 तक निर्धारित की गई है। बीमा हेतु प्रीमियम राशि कुल बीमित राशि का 5 प्रतिशत प्रति हेक्टेयर टमाटर हेतु 6000 रूपए, बैंगन 3850 रूपए, फुलगोभी 3500 रूपए, पत्तागोभी 3500 रूपए, प्याज 400 रूपए एवं आलू 6000 रूपए, कृषकों द्वारा देय होगी। अऋणी किसान इस योजना के तहत् निर्धारित तिथि के पूर्व निकटतम बैंक शाखा, समिति, सीएससी सेन्टर, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से अपने फसलों का बीमा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला कार्यालयल सहायक संचालक उद्यान एवं जिले में स्थापित शासकीय उद्यान रोपणी कार्यालय बैदरगुड़ा, पामलवाया बीजापुर, गौराबेड़ा भैरमगढ़, विकासखण्ड उसूर पेगड़ापल्ली, विकासखण्ड भोपालपटनम एवं बीमा कम्पनी प्रतिनिधि मोबाईल नम्बर 6260703107 से संपर्क कर सकते है।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिजन को आर्थिक सहायता स्वीकृत

बीजापुर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से पीड़ित के परिजनों को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अर्न्तगत सर्पदंश से मृत्यु के 1 प्रकरण में मृतक राकेश कुड़ियम के निकटतम वारिस उनके पिता श्री गुड्डु कुड़ियम निवासी ग्राम जैवारम को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति दी गई है। राशि का भुगतान संबंधित हितग्राही के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदार को दिए गए हैं।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रंगोली के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का प्रदर्शन

बीजापुर। केन्द्र शासन एवं राज्य शासन के विभिन्न योजनांतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण लाईवलीहुड कॉलेज बीजापुर में कुल 60 हितग्राहियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें स्विंग मशीन ऑपरेटर एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन कोर्स सम्मिलित हैं। सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन पर कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसम्बर 2024 को लाईवलीहुड कॉलेज में रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता के साथ किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। रंगोली के माध्यम से सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे कौशल विकास योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, नियद-नेल्लानार योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, महातारी वंदन योजना, आवास योजना, नल-जल योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना एंव अन्य योजना के बारे में बताया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के प्राचार्य सम्मिलित होकर छात्रों को सरकार की योजनाओं के बारे में जागरूक और समाज में सकारात्मक योगदान के लिए प्रेरित कर निर्णायक का कार्य किया।

प्राथमिक शाला प्रधान पाठक के रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु काउंसिलिंग आज

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिलासपुर द्वारा जिले के अंतर्गत कार्यरत सहायक शिक्षक, सहा. शिक्षक (नियमित/एल.बी.) से प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के रिक्त पदों पर पदोन्नति की जाएगी। यह पदोन्नति शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार काउंसलिंग के माध्यम से होगी। प्रधान पाठक के पदों हेतु काउंसलिंग 13 दिसंबर 2024 को सुबह 10:30 बजे महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर में होगी।

बस्तर ओलंपिक में अपने जौहर दिखाने बीजापुर से खिलाड़ी रवाना

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी खेल बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन 13 से 15 दिसम्बर 2024 तक संभाग मुख्यालय जगदलपुर में किया गया है।

उक्त प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का चयन कर संभाग स्तर पर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाने के लिए 12 दिसम्बर 2024 को मिनी स्टेडियम बीजापुर से कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने झण्डी दिखाकर रवानगी किया। संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक में कुल 09 खेल विधाओं जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बालक/बालिका, महिला/पुरूष के द्वारा बीजापुर जिले का प्रतिनिधित्व करेगें।

जिले से फुटबॉल-72, व्हॉलीबाल-49, खो-खो-49, कबड्डी-46, हॉकी-18, बैडमिंटन-16, तीरंदाजी-16, कराते-12 वेटलिफ्टिंग-12, एथलेटिक्स-48 एवं रस्साकसी में 12 कुल 350 खिलाड़ी सम्मिलित होगें।

सभी खेल विधाओं के खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट (जूता, ट्रेकशूट, जर्सी, नेकर) का वितरण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री जागेश्वर कौशल के द्वारा किया गया। इस खेल आयोजन में सम्मिलित होने के लिए खिलाड़ियों में अत्यधिक उत्सुकता दिखाई दे रहा है। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना से खेलने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत एवं संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक के नोडल अधिकारी श्री गीत कुमार सिन्हा, जिला परिवहन अधिकारी श्री किशनलाल मोहर एवं अन्य जिला अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब तक 4.22 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। समर्थन मूल्य पर अब तक 4 लाख 22 हजार 742 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। जिले में पंजीकृत कुल किसानों की संख्या 24 हजार 460 है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धान उपार्जन केन्द्र धनौली में 36 हजार 889 क्विंटल, भर्रीडांड़ में 28 हजार 80 क्विंटल, लालपुर में 33 हजार 950 क्विंटल, मेंढूका में 34 हजार 295 क्विंटल, लरकेनी में 31 हजार 234 क्विंटल, गौरेला में 19 हजार 264 क्विंटल, पेण्ड्रा में 32 हजार 585 क्विंटल, खोडरी में 19 हजार 281 क्विंटल, सिवनी में 26 हजार 695 क्विंटल, मरवाही में 21 हजार 647 क्विंटल, निमधा में 17 हजार 556 क्विंटल, नवागांव पेण्ड्रा में 23 हजार 504 क्विंटल, तेंदूमुड़ा 15 हजार 596 क्विंटल, तरईगांव मे 16 हजार 453 क्विंटल, बंशीताल में 11 हजार 196 क्विंटल, परासी में 18 हजार 293 क्विंटल, देवरीकला में 22 हजार 721 क्विंटल, कोडगार 8 हजार 344, जोगीसार 3 हजार 40 क्विंटल एवं बस्ती 2 हजार 116 क्विंटल धान खरीदी की जा चुकी है।

26 सहकारी संस्थानों के परिसमापन हेतु सूचना जारी

बीजापुर। सहायक आयुक्त सहकारिता विभाग द्वारा संस्था के समस्त मेम्बर्स को सूचित कर बताया गया है कि संस्था का पंजीयन निरस्तीकरण की प्रक्रिया सम्पादित किया जाना है। उक्त संस्था से आपका किसी प्रकार का लेन-देन हो तो दावा मय सबूत सहकारी निरीक्षक को सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर कार्यालयीन पत्ते पर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात किसी प्रकार का दावा पेश नहीं किये जाने पर यह मान लिया जावेगा कि संस्था से किसी प्रकार का लेन-देन नहीं है, तत्पश्चात संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप प्रदान कर दिया जावेगा। जिसके तहत परिसमापन समिति बालाजी उपभोक्ता सह भण्डार मर्या. मद्देड़, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव आदर्श सह समिति मर्या. सेण्ड्रा, प्राथमिक आदर्श कोदई माता सहकारी समिति मर्या. बीजापुर, प्राथमिक डिजायर बहु. सहकारी समिति मर्या. बीजापुर, प्राथमिक छत्तीसगढ़ी साख सह समिति मर्या. बीजापुर, जिला थोक उपभोक्ता भण्डार सह समिति मर्या. बीजापुर, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. राउतपारा-3, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. अस्पतालपारा-4, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. डारापारा-5, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. तहसीलपारा-6, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. शान्तिनगर-7, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. जेलबाड़ा-9, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. चेरपाल-1, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. चेरपाल-2, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. चेरपाल-3, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. चेरपाल-4, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. गंगालूर-1, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. गंगालूर-2, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. गंगालूर-3, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. गंगालूर-4, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. तोयनार-1, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. तोयनार-2, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. संतोषपुर, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. इंदिरा उद्यान-10, प्राथमिक महिला सिलाई बहु. सहकारी समिति मर्या. डिपोपारा-8 एवं प्राथमिक सह भण्डार मर्या. बीजापुर शामिल है।

स्टार एयर ने रायपुर से झारसुगुड़ा, लखनऊ और हैदराबाद के लिए नई उड़ानों की घोषणा की

भारत की तेजी से बढ़ती एयरलाइन, स्टार एयर, जो संजय घोडावत ग्रुप का हिस्सा है, ने यात्रियों के लिए एक नई सुविधा का ऐलान किया है। 1 फरवरी 2025 से, स्टार एयर रायपुर (आरपीआर) को झारसुगुड़ा (जेआरजी), लखनऊ (एलकेओ) और हैदराबाद (एचवाईडी) से जोड़ने वाली नई उड़ानों का संचालन शुरू करेगा। इस नई सेवा के साथ, एयरलाइन ने अपनी सेवाओं को 24 शहरों तक विस्तारित किया है, जिससे यात्रियों के लिए हवाई यात्रा अधिक सुलभ और किफायती हो सकेगी।स्टार एयर का यह कदम भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) - उड़ान योजना के तहत है, जिसका उद्देश्य छोटे और मध्य आकार के शहरों में हवाई यात्रा को बढ़ावा देना है। कंपनी ने टियर-2 और टियर-3 शहरों के बीच लास्ट-माइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भी योजनाएं बनाई हैं, और अगले तीन वर्षों में 25 एयरक्राफ्ट जोड़ने का लक्ष्य रखा है। स्टार एयर के सीईओ, कैप्टन सिमरन सिंह तिवाना ने कहा, हमारा उद्देश्य छोटे शहरों को प्रमुख केंद्रों से जोड़कर व्यापार, पर्यटन और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देना है यह विस्तार स्टार एयर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह सस्ती और सुविधाजनक यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार है।

मजबूरियों में दम तोड़ता बचपन

- अतुल मलिकराम
(लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार)

एक सर्द सुबह बस स्टेशन पर बैठा मैं अपनी बस का इंतज़ार कर रहा था। तभी दो छोटे बच्चे मेरे पास आए। उनकी मासूम आँखों में थकान और समस्याओं से जूझते बचपन की कहानी साफ झलक रही थी। उनके नन्हें हाथों में पेन के कुछ पैकेट थे। वे मेरे पास आए और मुझसे पेन खरीदने की गुजारिश करने लगे। उनकी मासूमियत ने मेरे दिल को छू लिया। मैंने पेन खरीदने के बहाने उन्हें अपने पास बैठाया और उनके निजी जीवन के बारे में कुछ जानने की कोशिश की। बातों-बातों में उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता गरीब हैं, जितना वे कमाते है उसमें घर का गुजारा नहीं चलता। इसलिए वो दोनों सुबह पेन बेचते हैं और दोपहर में ढाबे पर बर्तन धोते हैं। उनकी बातों ने मेरे अंदर सवालों का तूफान खड़ा कर दिया। क्या इन बच्चों को अन्य बच्चों की तरह हँसने-खेलने, पढ़ने-लिखने और अपने उज्जवल भविष्य के सपने देखने का अधिकार नहीं है? क्यों ये नन्हें बच्चे अपने नाजुक कँधों पर जिम्मेदारी का बोझ उठाने को मजबूर हैं? आखिर क्यों हमारे समाज में 'बाल श्रम' जैसा कलंक अब भी मौजूद है?

बाल श्रम, हमारे देश की एक ऐसी सच्चाई है, जिसे अनदेखा करना नामुमकिन है। कागजों पर तो बाल श्रम रोकने का काफी प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन आज भी आपको चौराहों पर छोटा-मोटा सामान बेचते हुए या ढाबों पर काम करते हुए कई छोटू नजर आ जाएँगे। 2011 की

जनगणना के अनुसार, देश में करीब एक करोड़ बाल श्रमिक हैं, लेकिन गैर-सरकारी आँकड़ों के अनुसार यह संख्या करीब 5 करोड़ तक पहुँचती है। कोविड-19 महामारी के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में बाल श्रम में संलग्न बच्चों की संख्या 16 करोड़ हो चुकी है।

भारत में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बाल श्रम की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। बाल श्रम में बच्चे सिर्फ शारीरिक श्रम नहीं करते, बल्कि कई बार यौन शोषण और बंधुआ मजदूरी का शिकार भी हो जाते हैं। इसके अलावा, जो बच्चे कच्ची उम्र में ही काम-काज में लग जाते हैं, वे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर पड़ता है। बंधुआ मजदूरी में लगे बच्चों को प्रताड़ित किया जाता है। कई बार यह प्रताड़ना शारीरिक, मानसिक और यौन उत्पीड़न तक पहुँच जाती है। यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं है, बल्कि देश के भविष्य और प्रगति पर एक गहरा धब्बा भी है।

बाल श्रम के पीछे गरीबी सबसे बड़ा कारण है। जब एक परिवार की मूलभूत जरूरतें भी पूरी नहीं होतीं, तो माता-पिता बच्चों को काम पर लगाने के लिए मजबूर हो जाते हैं। गरीबी न केवल बच्चों को श्रमिक बनाती है, बल्कि उनके सपनों को भी कुचल देती है। इसके अलावा, परिवार की खराब आर्थिक स्थिति, माता-पिता की मृत्यु या किसी अन्य कारण से बच्चों को काम करना पड़ता है। शिक्षा की कमी और अवैध व्यापार भी बाल श्रम को बढ़ावा देते हैं।

बाल श्रम को खत्म करने के लिए सरकार, समाज और व्यक्तिगत स्तर पर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले, बाल श्रम के खिलाफ मौजूदा कानूनों को और अधिक सख्त बनाया जाए और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, उल्लंघन करने वालों के लिए कठोर दंड निर्धारित किया जाए, ताकि यह दूसरे लोगों के लिए एक चेतावनी बने। दूसरी ओर, बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल श्रम के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाने चाहिए।

गरीबी इस समस्या की जड़ है, इसलिए सरकार को गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सहायता, नकद हस्तांतरण, सब्सिडी और स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाएँ शुरू करनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में बाल श्रम की समस्या अधिक है, इसलिए पंचायतों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वे न केवल बाल श्रम रोकने में मदद कर सकती हैं, बल्कि ऐसे बच्चों के लिए शिक्षा और पुनर्वास कार्यक्रम भी शुरू कर सकती हैं।

इसके अलावा, सामाजिक संगठनों और आंदोलनों जैसे 'बचपन बचाओ आंदोलन' और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन जैसे संगठनों को समर्थन देना जरूरी है। ये संगठन बच्चों को बाल श्रम के जाल से निकालने और उनके पुनर्वास में मदद कर रहे हैं। समाज के हर वर्ग को इन प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए, क्योंकि एकजुट प्रयासों से ही बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

बाल श्रम केवल एक सरकारी समस्या नहीं है, बल्कि यह समाज की जिम्मेदारी भी है। जब तक हर व्यक्ति बाल श्रम के खिलाफ आवाज़ नहीं उठाएगा, तब तक इसे पूरी तरह खत्म करना मुश्किल होगा। हमें हर बच्चे को उसका अधिकार दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। बच्चे देश का भविष्य हैं। एक खुशहाल और सशक्त भारत के निर्माण के लिए यह जरूरी है कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन और बेहतर भविष्य मिले। बाल श्रम न केवल एक सामाजिक समस्या है, बल्कि यह मानवता के खिलाफ भी एक अपराध है। सुरक्षित बचपन से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

सुशासन का 1 साल छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन

जनादेश परब

पर प्रदेश की जनता का कोटि-कोटि आभार...

13 दिसम्बर 2024

श्री जगत प्रकाश नड्डा
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
रसायन एवं उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

R.O. No. 42399/24

हमारी सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने के लिए कर रही कार्यः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 625 करोड़ रूपये की राशि से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर (दैनंदिनी)। हमारी सरकार के कार्यकाल को 13 दिसम्बर को एक वर्ष पूरे हो जायेंगे। इस अवसर को हम जनादेश परब के रूप में मना रहे हैं। हमने ''मोदी की गारंटी'' पर काम करते हुए शपथ लेने के दूसरे ही दिन मंत्रिमंडल में निर्णय लिया और प्रधानमंत्री आवास निर्माण की स्वीकृति दी। हमने आवास से वंचित हमारे प्रदेश के 18 लाख परिवारों को आवास देने के लिए निर्णय लिया। आज भी आवास के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया है। पीएम आवास के हितग्राहियों के पक्के मकान बन रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोरबा के सीएसईबी पूर्व फुटबॉल मैदान में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज ऊर्जाधानी कोरबा में 625 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया गया है। यह एक बड़ी राशि है और इस राशि से जिले के विकास का और गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जिले को डीएमएफ से बड़ी राशि प्राप्त होती है और इस राशि से जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ अधोसंरचनात्मक विकास में खर्च किया जा रहा है। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से विवाह के बंधन में बंधने वाले 102 नव दांपत्य जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रहे हैं। 13 लाख से अधिक किसानों के दो साल का बकाया धान बोनस राशि 3716 करोड़ का भुगतान भी किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में सुशासन की दिशा में काम कर रही है और इसके लिए हम वचनबद्ध है। सरकार बनने के बाद पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच जारी है। जो भी दोषी होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जायेगा। हमने प्रदेश में सुशासन देने का काम किया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी समुदाय के लोगों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सुधार करने के लिए 80 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा है, इस योजना में छत्तीसगढ़ के 6 हजार 500 गांव भी शामिल है और इस क्षेत्र के परिवारों को भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में लागू नई उद्योग नीति के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस नीति से प्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति युवाओं, अग्निवीर सहित अन्य युवाओं को लाभ मिलेगा। सिंगल विण्डो सिस्टम से एक जगह से आवेदन करने की सुविधा होगी।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है कि इतनी बड़ी 625 करोड़ रूपये की राशि से अधिक की राशि का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है।

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं की खाते में एक हजार प्रतिमाह डाले जा रहे हैं। 31 सौ रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। उन्होंने सरकार के एक साल पूर्ण होने पर कोरबा वासियों को बधाई देते हुए आभार भी प्रकट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी हितग्राहीमूलक योजनाओं से बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की मांग पर जिले में विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने सर्वमंगला हसदेव नदी रपटा सहित, पुरानी बस्ती रानी रोड की ओर एप्रोच रोड निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कोरबा मुख्यालय में नया सर्किट हाउस निर्माण, झगरहा में माध्यमिक शाला का हाई स्कूल में उन्नयन और कोरबा नगर निगम के विभिन्न वार्डो में विकास कार्यो के लिए 23 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने पीएम आवास के हितग्राहियों को दी चाबी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कोरबा प्रवास के दौरान सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय विभागो के द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के 3 हितग्राहियों को आवास की खुशियों की चाबी सौंप कर गृह प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को अनुदान राशि के चेक और सामग्री प्रदाय की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिला पंचायत के स्टॉल में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत अजगरबहार की दुखी बाई बिरहोर, रामधर बिरहोर और सुमति बाई कोरवा को नए आवास की चाबी प्रदाय की और गृह प्रवेश हेतु शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना के तहत मेमबाई राठौर,गनेशी चंद्रा और राजमति को आवास की चाबी प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने आरती सिदार को श्रमिक पंजीयन कार्ड प्रदाय किया। रेशम विभाग के तहत कोसा उत्पादन करने वाले स्वसहायता समूह के सदस्यों, अधिकारियों ने शाल और श्रीफल प्रदाय करके मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने रेशम विभाग से कोसाफल उत्पादन के भुगतान हेतु पांच लाख 64 हजार रुपए कि राशि का चेक समूह की महिला सदस्यों को प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 5 स्वा सहायता समूहों को 30-30 लाख रुपए के चेक दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग से दिव्यांग दुर्गेश्वरी बरेठ,एवं झूमन दास को मोटराइज्ड ट्राईसायकल देकर प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को मेट प्रदाय किया। उन्होंने पशुधन विकास विभाग के तहत राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, गोपालन से सुभद्रा राठिया को 93 हजार 200 रुपए अनुदान राशि का चेक देकर उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव ने भटगांव निवासी किसान श्रीमती महेत्तरीन बाई को कृषक यांत्रिकीकरण पर सबमिशन योजना के तहत 5 लाख रुपए के अनुदान पर ट्रेक्टर की चाबी सौंप कर उन्नत कृषि कार्य के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मछुआ समाज के सदस्यों को मछली जाल सहित आइस बॉक्स प्रदाय किए। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति के हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र भी प्रदाय किए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल हुए।

चिराग परियोजना के अंतर्गत उद्यानिकी मित्रों का प्रशिक्षण

अम्बिकापुर। चिराग परियोजना अंतर्गत लुण्ड्रा के 40 उद्यानिकी मित्रों का प्रथम चरण का 5 दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र अजीरमा में हुआ। इस प्रशिक्षण की शुरूआत 5 से हुई थी। प्रशिक्षण का शुभारंभ संयुक्त संचालक कृषि यशवंत सिंह केराम, उप संचालक कृषि पीएस दीवान, राजमोहनी कृषि महाविद्यालय के मृदा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एके पालीवाल, और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ राजेश चौकसे की उपस्थिति में हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र डॉ राजेश चौकसे एवं उप संचालक उद्यान जयपाल सिंह मरावी उपस्थित रहे।

बच्चों को संस्कार माता-पिता और परिवार से मिलता हैः टंक राम वर्मा

रायपुर (दैनंदिनी)। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना कार्यालय सह संसाधन केंद्र भवन का लोकार्पण किया। यह भवन 44 लाख 72 हजार की लागत से निर्मित हुआ है। इस दौरान विधायक श्रीमती उत्तरी जांगड़े, पूर्व विधायक शमशेर सिंह, अन्य जनप्रतिनिधिगण, नोडल अधिकारी श्री मनोज जायसवाल,एसडीएम श्री प्रखर चंद्राकर, सीईओ श्री हरिशंकर चौहान सहित बड़ी संख्या

नागरिकगण उपस्थित थे।कार्यक्रम में उन्होंने भारतभूमि में जन्म लेने और इस पावन भूमि के यश का गान करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप, शिवाजी और विवेकानंद जैसे महापुरुष को संस्कार उनके माता से ही मिला है। बच्चों का संस्कार माता-पिता और परिवार से ही मिलता हैं। मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम साय के नेतृत्व में हमारा राज्य 2047 तक में विकसित राज्य होगा। मंत्री श्री वर्मा ने आंगनबाड़ी के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास कार्य में योगदान हेतु,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सम्मानित किया और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने पीएम आवास ग्रामीण के हितग्राहियों को आवास की चाबी, दिव्यांग नीरा और लगभग पांच वर्षीय बच्ची को ट्राई साइकिल प्रदान किया।

बैगा जनजाति समुदाय की जिंदगी में हुआ सुशासन का सवेरा

कवर्धा। वनांचल की मिट्टी में विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति समुदाय की जिंदगी में अब सुशासन का सवेरा होने लगा है। कबीरधाम जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवास करने वाले विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति ग्राम बहपानी के भलिंदादर टोला की डोंगरहीन बाई बैगा की जिंदगी में बदलाव की रोशनी आई है। मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में बैगा जनजाति समुदाय की जिंदगी में बड़ा बदलाव आ रही हैं। शासन की अनेक योजनाओं से अब मुख्यधारा से जुड़ने लगे है। यह प्रेरक कहानी डोंगरहीन बाई बैगा की है, जो अपने पति चारू बैगा और दो बच्चों के साथ सादगी भरा, परंतु आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं।

डोंगरहीन बाई का परिवार कभी आर्थिक तंगी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था। लेकिन अब, छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना और जनमन आवास योजना जैसे सुशासन के प्रयासों ने इनके जीवन में खुशियों की नई रोशनी बिखेरी है। डोंगरहीन बाई बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली प्रति माह 1 हजार की राशि उनके परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत सहायक साबित हो रही है। यह राशि उनके घर की छोटी-छोटी जरूरतों, जैसे बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी खर्चों को पूरा करने में मदद करती है।

डोंगरहीन बाई ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से जीवन में नई उम्मीद मिली है। परिवार के पास अब उनका अपना घर होगा। जनमन आवास योजना के तहत तीन किस्तें मिल चुकी हैं, और जल्द ही उनका नया मकान बनकर तैयार हो जाएगा। इस योजना ने उनके पक्के मकान की चिंता को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। वे बताती है कि वनोपज और मनरेगा से आय में वृद्धि हुई है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य में वनोपज की खरीदी से संबल मिला है। डोंगरहीन और उनके पति चारू बैगा वनोपज, जैसे हर्रा, बहेरा, तेंदूपत्ता, इमली, महुआ और अन्य वनोपजों को समर्थन मूल्य पर बेचकर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे हैं। साथ ही मनरेगा के तहत रोजगार मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति और भी मजबूत हुई है।

डोंगरहीन और चारू बैगा अपने खेतों में कोदो और कुटकी की खेती करते हैं। इस खेती से न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि परिवार के लिए पौष्टिक आहार भी सुनिश्चित हुआ है। राशन कार्ड के माध्यम से उनके परिवार को 35 किलो राशन नियमित रूप से मिलता है, जो उनके भोजन की आवश्यकता को पूरी करता है। इन योजनाओं से उनका परिवार खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी आगे बढ़ा है।

गणतंत्र दिवस समारोह की गरिमापूर्ण मनाने प्रारंभिक तैयारियां शुरू

रायपुर (दैनंदिनी)। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 गरिमापूर्ण मनाने और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों के लिए आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने राज्य शासन के विभिन्न विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

अपर मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के आयोजन के संबंध में तमाम व्यवस्था और तैयारियों के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। श्रीमती पिल्ले ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित की जाने वाली झांकियां तथा उसकी थीम का निर्धारण एक सप्ताह के भीतर करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में राजधानी में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन स्थल एवं समय का निर्धारण, समारोह के पल-प्रति कार्यक्रम का निर्धारण, आमंत्रण पत्र के प्रारूप का अनुमोदन, मुद्रण एवं उसका वितरण, मंच, पंडाल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था निर्धारण, माननीय राज्यपाल तथा माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए जाने वाला उद्बोधन/संदेश को तैयार करना, संबंधी निर्देश दिए गए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम, भाग लेने वाली टुकड़ियों का निर्धारण एवं रिहर्सल, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों तथा उत्कृष्ट झांकी को पुरस्कार वितरण, के साथ ही कार्यक्रम के उद्घोषक का निर्धारण, किया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार पार्किंग एवं ट्रेफिक व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर विभागों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली झांकियों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति, कार्यक्रम के रिहर्सल की तिथि, प्रतिभागियों, स्कूली बच्चों के लिए स्वल्पाहार/पीने के पानी की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय इत्यादि की व्यवस्था, संध्याकालीन कार्यक्रम की रूपरेखा, स्थान एवं समय का निर्धारण, जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाली कार्यक्रमों का निर्धारण करना सुनिश्चित करें। जिला मुख्यालयों पर माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, विधान सभा अध्यक्ष एवं अन्य माननीय मुख्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण के लिए जिलों का निर्धारण, स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण, शासकीय भवनों पर प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सचिव लोक निर्माण डॉ. कमलप्रीत सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त सचिव श्रीमती शहला निगार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नैसर्गिक झरनों, गुफाओं, पहाड़ो-पठारों और नदियों से शुमार है जीपीएम जिला

गौरेला पेंड्रा मरवाही (दैनंदिनी)। साल के घने वनों से आच्छादित और नैसर्गिक झरनों, गुफाओं, पहाड़ो-पठारों से युक्त, आठ नदियों-अरपा, सोन, तान, तीपान, बम्हनी, जोहिला, मलनिया एवं ऐलान के उद्गम स्थल के कारण प्राकृति सौन्दर्य से शुमार है गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिला। सत्ता का विकेन्द्रीकरण के तहत 10 फरवरी 2020 को बिलासपुर जिले से अलग कर जीपीएम जिले का गठन किया गया। पृथक जिला बनने के बाद से जीपीएम जिले को पर्यटन जिला के नाम से एक नई पहचान दिलाने जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन स्थलों का विकास, पर्यटकों की सुविधा और स्थानीय लोगों को आजीविका उपलब्ध कराने के लिए सार्थक पहल किया जा रहा है।

जीपीएम जिले में पर्यटन की असीम संभावनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने गगनई नेचर कैंप के विस्तृत जलाशय में नौकायन शुरू करा दिया है। राजमेरगढ़, ठाड़पथरा, लक्ष्मणधारा, माई का मड़वा, झोझा जलप्रपात, जोगी गुफा आदि स्थानों पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सौंदर्यीकरण के साथ ही पर्यटकों की सुविधा के लिए कैंटीन एवं बैरियर का निर्माण किया गया है। इन स्थानों पर ट्रैकिंग, कैंपिंग व अन्य गतिविधियां कराई जा रही हैं। पर्यटन स्थलों की देखरेख एवं संधारण के लिए

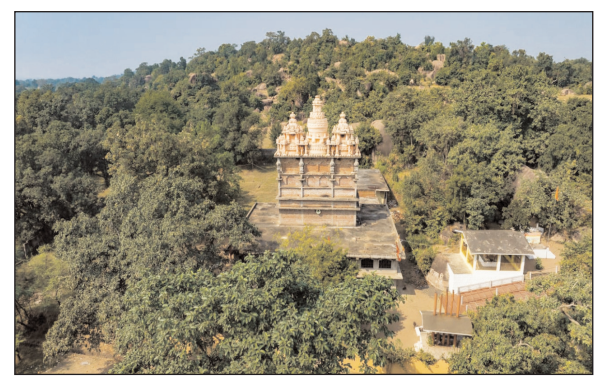

स्थानीय पर्यटन समितियों का गठन किया गया है। पर्यटन समितियों को रात्रि भ्रमण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्थानीय युवाओं को ट्रैकिंग, हॉस्पिटैलिटी आदि का प्रशिक्षण दिया गया है।

स्थानीय पर्यटन समितियों के माध्यम से बस्ती बगरा और सोन बचरवार में होम स्टे संचालित किया जा रहा है। झोझा जलप्रपात घूमने आने वाले पर्यटक प्रकृति की वादियों में बसे आदिवासी ग्राम बस्ती बगरा में संचालित होम स्टे का आनंद ले सकते हैं। कम्युनिटी विलेज स्टे भी लमना ग्राम पंचायत में स्थानीय पर्यटन समिती द्वारा संचालित कराया जा रहा है, जिसमें पर्यटकों को पारंपरिक संस्कृति से भी जोड़ा जाता है। सोन बचरवार जहां से सोन नदी का उद्गम स्थल माना जाता है, और पूरे विश्व में सिर्फ एक मात्र मंदिर जहां पर मां नर्मदा और शोणभद्र जी की एक साथ प्रतिमा देखने को मिलती है, यहां पर माघ पूर्णिमा में एक विशाल मेले का भी आयोजन कराया जाता है। यह गांव धार्मिक महत्वता के लिए भी प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है यहां पर भी सोन बचारवार होम स्टे है, जो कि पर्यटन समिति द्वारा संचालित कराए जा रहे हैं। पर्यटन स्थल ठाड़पथरा में मड हाउस बनाया जा रहा है, इसका भी संचालन स्थानीय पर्यटन समिति द्वारा किया जाएगा। जिले में धनपुर एक पुरातत्विक् स्थल है, जहां पर पर्यटन समिति के द्वारा विशालकाय पत्थर पर उभरी हुई मूर्ति बेनीबाई को संरक्षित किया जा रहा है। यहां खुदाई से प्राप्त मूर्तियों एवं अवशेषों का संरक्षण भी किया जा रहा है। धनपुर में मूर्ति संग्रहालय का निर्माण कराया जा रहा है। पर्यटन विकास के तहत मलनिया डैम में खनिज न्यास मद से एक्वा टूरिज्म एवं वाटर स्पोर्ट्स की स्वीकृति दी गई है, जिसका संचालन मछुआ सहकारी समिति द्वारा किया जाना है। प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण जिले का पर्यटन स्थल स्थानीय पर्यअकों को ही नही बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी खूब भा रहा है। जिला प्रशासन जिले के सभी दुर्लभ एवं आकर्षक पर्यटन क्षेत्रों के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। कबीर चबूतरा से लेकर समुदलई तक प्रत्येक पर्यटन स्थल की जीवंतता एवं सुरम्यता आने वाले दिनों में पूरे देश में जिले की ख्याति बढ़ाएगी।

जिले के पर्यटन स्थलों के प्रचार प्रसार के लिए जिला प्रशासन द्वारा कॉफी टेबल बुक बनाई गई है तथा जिले की पर्यटन स्थलों को इंटरनेट के माध्यम से लोगो तक पहुंचाने के लिए वेबसाइट बनाई गई है। इस वेबसाइट के माध्यम से पर्यटन समितियों द्वारा संचालित कैम्पिंग, ट्रैकिंग, होमस्टे, कम्युनिटी विलेज स्टे एवं मडहाउस की बुकिंग भी की जाती है।

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले की प्राकृतिक सुन्दरता और पर्यटन की भरपूर संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा पर्यटन क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ स्थानीय जनजीवन के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

- लीना कमलेश मंडावी,
कलेक्टर, जीपीएम

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- **dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com**